राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 155 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, शुक्रवार, 17 दिसम्बर 2021 मूल्य: 1.50/-

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने विजय दिवस के मौके पर सैनिकों के साहस को किया सलाम

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बृहस्पतिवार को भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता एवं बलिदान को विजय दिवस की 50 वी वर्षगांठ पर याद किया। पाकिस्तान के खिलाफ 1971 में हुयी लड़ाई में मिली जीत की याद में पूरे देश में 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाया जाता है। गौरतलब है कि इस युद्ध के बाद दुनिया के नक्शे पर बांग्लादेश के रूप में एक स्वतंत्र राष्ट्र का उदय हुआ, जो उस वक्त पाकिस्तान का हिस्सा था। पटनायक ने ट्वीट किया, ''विजय दिवस की स्वर्ण जयंती के मौके पर बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि, जिन्होंने 1971 के भारत पाकिस्तान संघर्ष में पूरे साहस के साथ लड़ाई लड़ी और युद्ध में भारत को विजयी बनाया। बहादुर सैनिकों के साहस और वीरता को सलाम, जिन्होंने देश को गौरवान्वित किया।

नाबालिग लड़की ने चार युवकों पर लगाया सामूहिक दुष्कर्म का आरोप

जयपुर (एजेंसी)। बस्सी थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी ने चार व्यक्तियों पर कथित सामूहिक दुष्कर्म और वीडियो क्लिप के जरिये उसे ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि पीडिता ने इस संबंध में बुधवार को बस्सी थाना क्षेत्र में विश्वास मीणा, ताराचंद मीणा, कृष्णा मीना औश्र सचिन मीणा के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि पीडिता ने अपनी शिकायत में बताया कि विश्वास, ताराचंद और कृष्णा ने उसे इस वर्ष जून माह में जब वह अपने खेत में थी, तो उसे सुनसान इलाके में ले जाकार उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। वहां पहले से मौजूद सचिन ने भी उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि पीडिता उस समय अपने परिजनों को घटना के बारे में नहीं बताया लेकिन हाल ही में जब आरोपियों ने उसका खेत से दोबारा अपहरण का प्रयास किया तो उसने अपनी मां को घटना के बारे में बताया जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया। बस्सी थानाधिकारी सुरेन्द्र ने बताया कि पीडिता की मेडिकल जांच करवा ली गई है और मामले की जांच की जा रही।

1971 का भारत-पाक युद्ध भारतीय सेना के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय है: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 50वें विजय दिवस के मौके पर बृहस्पतिवार को कहा कि 1971 का भारत-पाक युद्ध भारतीय सेना के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय है। भारत ने इस युद्ध में पाकिस्तान को मात दी थी। इसी युद्ध के बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। इस दिन को 'विजय दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। सिंह ने युद्ध में शहीद हुए सैन्य कर्मियों को भी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ट्वीट किया कि स्वर्णिम विजय दिवस के मौके पर हम 1971 के युद्ध में अपने सैन्य कर्मियों के पराक्रम और बलिदान को याद करते हैं। 1971 का युद्ध भारतीय सेना के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। हमें अपने सैन्य बलों और उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। लगभग 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों ने 16 दिसंबर, 1971 को भारतीय सेना और 'मुक्ति वाहिनी' की संयुक्त सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था, जिसने बांग्लादेश के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। भारत 'विजय दिवस' की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए कई कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। रक्षा मंत्री ने इस युद्ध से जुड़ी कई तस्वीरें भी ट्विटर पर साझा कीं।

चुनाव से पहले चाचा-भतीजा साथ-साथ

शिवपाल और अखिलेश यादव के बीच गठबंधन तय

(संवाददाता)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज अपने चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात की है।

जानकारी के मुताबिक यह मुलाकात लगभग 45 से 50 मिनट तक चली। बताया जा रहा है कि आगामी चुनाव को लेकर दोनों नेताओं के बीच चर्चा भी हुई और गठबंधन को लेकर बातचीत भी की गई। आपको बता दें कि अखिलेश यादव लगातार चुनाव से पहले छोटी पार्टियों को अपने साथ लेने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में शिवपाल यादव के साथ उनकी यह मुलाकात काफी मायने रखती है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब शिवपाल यादव लगातार समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की कोशिश कर रहे हैं। गठबंधन नहीं होने की स्थिति में शिवपाल सिंह यादव चुनावी रथ यात्रा निकालने का प्लान कर रहे थे। इसके साथ ही शिवपाल यादव लगातार अपने समर्थकों से इस चुनाव में मजबूती से लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा था।

शिवपाल यादव गठबंधन को लेकर लगातार समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को अल्टीमेटम देते रहे हैं। पहले सितंबर में और फिर नवंबर में यह अल्टीमेटम दिया गया था। हालांकि अल्टीमेटम खत्म हो जाने के बाद भी दोनों नेताओं की मुलाकात नहीं हो पाई थी। लेकिन अब जब ये दोनों नेता मिले हैं ऐसे में गठबंधन की संभावनाओं को और बल मिलने लगा है। हालांकि अखिलेश यादव पहले भी साफ कर चुके हैं कि उनकी पार्टी शिवपाल सिंह यादव के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

इसके साथ ही जहां शिवपाल यादव के मजबूत उम्मीदवार चुनावी मैदान में होंगे वहां भी अपने उम्मीदवार को नहीं उतारेगी। आपको बता दें कि 2017 के चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और मुलायम सिंह यादव के परिवार में भयंकर तनाव देखने को मिला था। परिवार दो गुटों में बंट चुका था। एक ओर शिवपाल सिंह यादव थे तो दूसरी ओर तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव थे। मुलायम सिंह की स्थिति भी उस समय काफी कमजोर दिखाई दे रही थी।

शिवपाल यादव समाजवादी पार्टी के बड़े नेताओं में शामिल रहे हैं जिनकी पकड़ संगठन में मजबूत रही है।

अखिलेश से नाराजगी के बाद शिवपाल यादव ने 2018 में प्रगतिशील समाजवादी मोर्चा बनाने का ऐलान किया था और 2019 के लोकसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारे थे।

शिवपाल यादव की पार्टी 2019 में एक भी सीट नहीं जीत सकी हो लेकिन समाजवादी पार्टी को कई सीटों पर उसने नुकसान जरूर पहुंचाया था।

मोदी ने संभाल ली यूपी चुनाव की कमान! अगले 10 दिनों में 4 बार करेंगे प्रदेश का दौरा

(संवाददाता)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। माना जा रहा है कि जनवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में वहां आचार संहिता भी लग सकता है। ऐसे में चुनावी रण में सभी पार्टियां अपना पूरा दमखम लगा रही हैं। सत्तारूढ़ भाजपा भी अपनी वापसी के लिए लगातार चुनावी रणनीति बना रही है। चुनावी तैयारियों को लेकर सभी पार्टियों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी हैं और कोई कमी नहीं छोड़ना चाहती। इसी कड़ी में भाजपा के सबसे बड़े चेहरे और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 10 दिनों के भीतर उत्तर प्रदेश का 4 बार दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री के ताबड़तोड़ उत्तर प्रदेश दौरे से इस बात का तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने यूपी चुनाव की कमान खुद संभाल ली है। चुनावी लिहाज से देखें तो उत्तर प्रदेश काफी महत्वपूर्ण राज्य माना जाता है। उत्तर प्रदेश के रास्ते ही दिल्ली पर काबिज हुआ जाता है और यही कारण है कि भाजपा उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से सत्ता वापसी के लिए काफी मेहनत कर रही है। पिछले 1 महीने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के कई दौरे कर चुके हैं। हाल में ही उन्होंने 7 दिसंबर को गोरखपुर का दौरा किया था और 13 तथा 14 दिसंबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में थे। अब बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले 10 दिनों में उत्तर प्रदेश में 4 बड़े दौरे करेंगे और इस दौरान जनसभा को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस दौरे की शुरुआत 18 दिसंबर को शाहजहांपुर से शुरू होगी। शाहजहांपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 दिसंबर को गंगा एक्सप्रेस वे की आधारशिला रखेंगे। शाहजहांपुर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 दिसंबर को प्रयागराज में रैली करेंगे जहां ढाई लाख महिलाएं आ सकती हैं। प्रधानमंत्री के इस दौरे के दौरान विभिन्न स्कीम का लाभ उठाने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया जा सकता है। इसके बाद प्रधानमंत्री एक बार फिर से अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का 23 दिसंबर को दौरा करेंगे और अमूल प्लांट समेत 1550 करोड़ की योजनाओं की शुरुआत करेंगे। महीने के आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कानपुर में रहेंगे। कानपुर में प्रधानमंत्री 28 दिसंबर को जाएंगे और मेट्रो का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश को कई और योजनाओं की सौगात भी सौंप सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 1971 के युद्ध के शहीदों को किया नमन

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को 1971 के भारत-पाक युद्ध में शहादत देने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों के पराक्रम और बलिदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, '50वें विजय दिवस पर मैं मुक्तियोद्धाओं, वीरांगनाओं और भारतीय सशस्त्र बलों के वीर जवानों की वीरता और बलिदान को याद करता हूं। साथ मिलकर हमने दमनकारी ताकतों से लड़ाई लड़ी और विजय हासिल की। ढाका में राष्ट्रपति जी की उपस्थिति प्रत्येक भारतीय के लिए विशेष महत्व रखती है। ज्ञात हो कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 50वें विजय दिवस पर आयोजित समारोहों में भाग लेने बांग्लादेश गए हैं। 1971 में आज ही के दिन पूर्वी पाकिस्तान के चीफ मार्शल लॉ एडमिनिस्ट्रेटर लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी और पूर्वी पाकिस्तान में स्थित पाकिस्तानी सैन्य बलों के कमांडर ने बांग्लादेश के गठन के लिए 'इंस्ट्रूमेंट ऑफसरेंडर पर हस्ताक्षर किए थे। नियाजी ने ढाका में भारतीय और बांग्लादेश बलों का प्रतिनिधित्व कर रहे जगजीत सिंह अरोड़ा की उपस्थिति में ये हस्ताक्षर किए थे। 1971 में नौ महीने तक चले युद्ध के बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 50वें विजय दिवस के मौके पर बृहस्पतिवार को कहा कि 1971 का भारत-पाक युद्ध भारतीय सेना के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय है। भारत ने इस युद्ध में पाकिस्तान को मात दी थी। इसी युद्ध के बाद बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। इस दिन को 'विजय दिवसश् के तौर पर मनाया जाता है। रक्षा मंत्री ने इस युद्ध से जुड़ी कई तस्वीरें भी ट्विटर पर साझा कीं। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने बृहस्पतिवार को 50वें विजय दिवस के अवसर पर, 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान असाधारण वीरता और अटूट देशभक्ति प्रदर्शित करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के जवानों को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कुलगाम में सुरक्षा बलों ने मार गिराये लश्कर के 2 आतंकी

(एजेंसी)

जम्मू । घाटी में आज भी दो आतंकियों को मार दिया गया, जबकि लगातार पांचवें दिन सुरक्षाबलों ने दक्षिण कश्मीर के जिला कुलगाम के रेडवानी इलाके में एक मुठभेड़ के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान अमीर बशीर डार उर्फ दानिश और आदिल अहमद शान के तौर पर हुई है। दोनों आतंकवादियों के मारे जाने के बाद सुरक्षाबलों ने सर्च आप्रेशन चलाया और जब यह पुष्टि हो गई कि इलाके में और कोई आतंकवादी मौजूद नहीं है तो सुरक्षाकर्मी शव व हथियार लेकर वहां से चले गए। इससे पहले बुधवार की सुबह दक्षिणी कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के मोस्ट वांटेड आतंकी फिरोज अहमद डार को मार गिराया था। अधिकारियों ने बताया कि दोनों आतंकियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कई बार मौके दिए गए परंतु हर बार आतंकियों ने उसका जवाब अपनी गोली से ही दिया। अंधेरा व आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा के चलते सुरक्षाबलों ने रातभर मुठभेड़ को जारी रखा। सुबह एक बार फिर आतंकियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परंतु जब उन्होंने इस बार भी हथियार डालने से इनकार कर दिया तो भारी हथियारों का इस्तेमाल करते हुए सुरक्षाबलों ने दोनों आतंकियों को वहीं ढेर कर दिया।

जानकारी के लिए एक दिन पहले ही पुलवामा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया था। पुलवामा के राजपोरा इलाके में सुरक्षा बलों ने घेराबंदी कर इस पूरे एनकाउंटर को अंजाम दिया था। मारे गए आतंकी की पहचान हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़ा आतंकी फिरोज अहमद डार के तौर पर की गई। आतंकी शोपियां का रहने वाला था। वह 2017 में आतंकी संगठन के साथ जुड़ा था।

मानहानि मामला में राहुल गांधी को समन

(एजेंसी)

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाकर 'कमांडर इन चीफश् वाली टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने वाले भाजपा कार्यकर्ता ने बृहस्पतिवार को बंबई हाईकोर्ट को बताया कि स्थानीय अदालत ने यह तय करने के बाद कि साक्ष्यों के मद्देनजर पहली नजर में दोष प्रतीत होता है, कांग्रेस नेता को समन किया है।

बंबई हाईकोर्ट ने समन को चुनौती देने वाली गांधी की याचिका पर सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार को 18 जनवरी, 2022 की तारीख तय की और मजिस्ट्रेट अदालत को निर्देश दिया कि वह 25 जनवरी तक मानहानि के मामले की सुनवाई करने से बचे। स्थानीय अदालत ने मानहानि के मामले में राहुल गांधी को 25 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया था।

कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने वाले महेश श्रीश्रीमल का दावा है कि वह 1997 से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र प्रदेश समिति के सदस्य हैं। श्रीश्रीमल ने राफेल लड़ाकू विमान सौदे में प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाकर 2018 में की गयी टिप्पणी को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

गांधी ने उन्हें जारी समन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर कर रखी है। कांग्रेस नेता ने मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त करने और उनकी याचिका लंबित रहने के दौरान निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। पिछले महीने जस्टिस एस. के. शिंदे की एकल पीठ ने स्थानीय अदालत को मानहानि मामले की सुनवाई से बचने का निर्देश दिया था, इसका तात्पर्य यह हुआ कि राहुल गांधी को अब इस मामले में निचली अदालत में पेश होने की जरूरत नहीं है। श्रीश्रीमल ने बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट में एक हलफनामा देकर गांधी की याचिका खारिज करने का अनुरोध किया है।

लड़कियों के विवाह की नयी न्यूनतम आयु 21 साल

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। सरकार ने लड़कियों के विवाह की न्यूनतम कानूनी आयु को 18 साल से बढ़ाकर पुरुषों के बराबर 21 साल करने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पुरुषों एवं महिलाओं के विवाह की न्यूनतम आयु में एकरूपता लाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, सरकार बाल विवाह (रोकथाम) अधिनियम, 2006 को संशोधित करने संबंधी विधेयक संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ला सकती है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्तावित विधेयक विभिन्न समुदायों के विवाह से संबंधित पर्सनल लॉ में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रयास कर सकता है ताकि विवाह के लिए आयु में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। मौजूदा कानूनी प्रावधान के तहत लड़कों के विवाह लिए न्यूनतम आयु 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित है। विवाह से जुड़ी न्यूनतम आयु में एकरूपता लाने का यह निर्णय उस समय किया गया है, जब इससे एक साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि सरकार इस बारे में विचार कर रही है कि महिलाओं के लिए न्यूनतम आयु क्या होनी चाहिए। यह निर्णय समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली की अध्यक्षता वाले कार्यबल की अनुशंसा के आधार पर लिया गया है। इस निर्णय के बारे में जया जेटली ने कहा कि दो प्रमुख कारणों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा, 'यदि प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक समानता और सशक्तीकरण की बात करते हैं तो फिर विवाह में ऐसा क्यों नहीं कर सकते। यह बहुत ही विचित्र बात है कि लड़की 18 साल की आयु में शादी के योग्य हो सकती है, जबकि इस कारण उसके कॉलेज जाने का अवसर खत्म हो जाता है। दूसरी तरफ लड़के के पास अपने जीवन और जीविका के लिए तैयार होने का 21 साल की आयु तक अवसर होता है। जया ने कहा कि लड़कियां को भी कमाने और पुरुषों के बराबर होने का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा, 'हमने बहुत सारे लोगों की राय ली, लेकिन इसमें युवा प्रमुख रूप से शामिल थे।

जया जेटली ने बताया कि कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री कार्यालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और नीति आयोग को सौंपी थी। इस कार्यबल में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉक्टर वीके पॉल, उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, विधायी कार्य विभागों के सचिव, नजमा अख्तर, वसुधा कामत और दीप्ति शाह जैसे शिक्षाविद भी शामिल थीं।

जींवन में सफलता चाहते है तो शिक्षा और खेल दोनों की तरफ बढ़े: ललिता प्रदीप

बाराबंकी। मिशन प्रेरणा के अंर्तगत एसएमसी अध्यक्षों, सचिवों और ग्राम प्रधानों की संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम विकासखंड देवा के रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में अपर शिक्षा निदेशक बेसिक ललिता प्रदीप, विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख देवा धर्मेंद्र सिंह यादव व यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर ए के सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक की अध्यक्षता सेवानिवृत्त सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर चंद्र भूषण वर्मा व खंड शिक्षा अधिकारी देवा रामनारायण ने की। सर्वप्रथम अपर शिक्षा निदेशक को खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया साथ ही समस्त ग्राम प्रधानों का भी खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा माला व बुके से स्वागत किया गया। अपर शिक्षा निदेशक द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पाजंलि एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय सैरैया और कोना गांव के छात्रों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कायाकल्प, डीबीटी मिशन शक्ति, निपुण भारत, आदि के संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी को अवगत कराया गया। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख देवा धर्मेंद्र यादव द्वारा विद्यालयों के कायाकल्प हेतु किए गए कार्यों में ग्राम प्रधान व प्रधानाध्यापकों का संबंध स्थापित करते हुए अनेक विद्यालयों में किए गए कायाकल्प की सराहना की और सभी ग्राम प्रधानों को अपने विद्यालय के प्रति जागरूकता दिखाते हुए प्राथमिक तौर पर अपने गांव के विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में स्थापित करने के लिए संकल्पित किया गया। अपर शिक्षा निदेशक, बेसिक शिक्षा ललिता प्रदीप ने जनपद से जुड़ी पूर्व की यादों को साझा करते हुए महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त किए एवं ग्राम प्रधानों में आई महिला प्रधानों का हौसला बढ़ाया।शिक्षा में सुधार हेतु अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जींवन में सफलता चाहते है तो शिक्षा और खेल की दोनों की तरफ अग्रसर रहे। पूर्व प्रमुख इच्छुवाक मौर्य ने सरकार द्वारा चलाई जा रही कायाकल्प योजना के विषय में अपनी बातें साझा की।प्रधान संघ के अध्यक्ष एड रामनाथ यादव द्वारा अपने उद्बोधन में कार्यशाला को अत्यंत प्रभावी और सार्थक बताया गया। शिक्षिका सूर्या त्रिपाठी, चारू गर्ग और प्रीती वर्मा द्वारा पीपीटी का प्रदर्शन करते हुए विभाग की गतिविधियां को प्रोजेक्टर एवं एलसीडी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सेवानिवृत्त सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। खंड शिक्षा अधिकारी राम नारायण ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया एवं सबके प्रति आभार प्रकट किया। मंच का संचालन शिक्षक अवधेश तिवारी व जिला स्काउट मास्टर राजेन्द्र त्रिपाठी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान दीपू रावत, प्रधान प्रतिनिधि संत कुमार, प्रधान बड़की, कमलेश रावत, अंजू यादव शिक्षक ओम प्रकाश , मोहम्मद इस्माइल,अशोक कुमार वर्मा, विकास वर्मा, मोहम्मद इस्माइल, प्रदीप मिश्रा, विवेक वर्मा, आभा प्रजापति, कविता वर्मा, कंचन गुप्ता, रति सिंह, अनुज कुमार वर्मा, विरेश वर्मा, विनय कुशवाहा, एआरपी जितेंद्र यादव, कमलेश वर्मा, राजेंद्र त्रिपाठी, अंजना मिश्रा, नीरज श्रीवास्तव, सईदुल हाशमी गीता देवी, चंद्र प्रभा, नीलम वर्मा, अर्चना वर्मा, रामकिशुन, राम आसरे, डॉ विनय कुशवाहा, राजेश श्रीवास्तव, वंदना श्रीवास्तव, प्रीति वर्मा, प्रमिला चौरसिया, सीबी सिंह, रामसेवक यादव, ओम प्रकाश यादव, अर्चना वर्मा आदि शिक्षक एवं शिक्षिका सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

मिशन हरियाली के संयोजक ने मुख्य अतिथि को भेंट किया पर्यावरण उपहार

मिशन हरियाली के संयोजक पर्यावरण प्रेमी शिक्षक विजय प्रताप सिंह ने मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेश ललिता प्रदीप को पर्यावरण उपहार स्वरूप पौध भेंट किया। मिशन हरियाली के संयोजक पर्यावरण प्रेमी विजय प्रताप सिंह द्वारा अपर शिक्षा निदेशक ललिता प्रदीप व विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख धर्मेंद्र यादव को एरिका पाम गमला भेंट कर मिशन हरियाली की ओर से भव्य स्वागत किया गया गया। सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी चंद्र भूषण वर्मा को प्रतीक के रूप में मिशन हरियाली की ओर से एक इंडोर पौधा गिफ्ट कर सम्मानित किया। मिशन हरियाली के संयोजक सभी कार्यक्रमों को पर्यावरण से जोड़कर बनाने के संकल्प को पूरा करते हैं। बुके के स्थान पर इंडोर पौधा देकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। विजय द्वारा अनवरत चलाया जा रहा अभियान लोगों को पर्यावरण के प्रति प्रेरित कर रहा है।

अमेरिकी सदन में चीन के खिलाफ अहम बिल पास, नहीं खरीदा जाएगा शिनजियांग में बना सामान

वाशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस की प्रतिनिधि सभा ने उइगर जबरन श्रम रोकथाम अधिनियम के अंतिम संस्करण को पारित कर दिया है। इस विधेयक में चीन के शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में जबरन श्रम से बने सामानों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है। प्रतिनिधि सभा ने इस विधेयक को मंगलवार रात ध्वनि मत से पारित किया। अब इस विधेयक को सीनेट में चर्चा के लिए भेजा जाएगा।उल्लेखनीय है कि प्रतिनिधि सभा ने पिछले सप्ताह इस विधेयक को 428-1 से पारित किया था और सीनेट ने गत जुलाई महीने में इसे ध्वनि मत से पारित किया। इसी सप्ताह दोनों सदनों ने इस विधेयक के अंतिम संस्करण सहमति व्यक्त की थी।

यह कानून 'शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र से सीधे वस्तुओं, माल, सामग्री के आयात और व्यापार को प्रतिबंधित करता है, जो उइगर, कज़ाख्स, किर्गिज़, तिब्बतियों, या चीन में अन्य सताए गए समूहों के सदस्यों द्वारा बनाये गए हैं।इसके अतिरिक्त इस विधेयक में अमेरिकी राष्ट्रपति से मुस्लिम अल्पसंख्यकों को सताने और अनैच्छिक श्रम के उपयोग की सुविधा के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने की गुजारिश की गयी है।

अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी के मामले में 2 भारतीयों को जेल

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने दो भारतीयों को अमेरिकी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में 27 माह कैद की सजा सुनाई है। उन्हें अमेरिकी नागरिकों से 'वायर' धोखाधड़ी के जरिए 6,00,000 डॉलर से अधिक रकम लेने का दोषी ठहराया गया है। न्यू जर्सी की एक संघीय अदालत के जिला न्यायाधीश जोसेफ रोड्रिगेज़ ने जीशान खान (22) और माज़ अहमद शम्सी (24) को मंगलवार को 27 माह की सजा सुनाई। दोनों को पहले ही 'वायर' धोखाधड़ी के मामले में दोषी ठहराया गया था। उन्होंने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया था।

कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी रेचेल ए होनिग ने कहा कि शम्सी और खान पर देश भर में 19 लोगों से धोखाधड़ी से 'वायर ट्रांसफर' के जरिए 618,000 अमेरिकी डॉलर प्राप्त करने के आरोप तय किए गए थे। 'वायर ट्रांसफर', बैंक ट्रांसफर या क्रेडिट ट्रांसफर, एक व्यक्ति या संस्था से दूसरे व्यक्ति को 'इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर' करने का एक तरीका है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, भारत में स्थित कुछ कॉल सेंटर का उपयोग कर पीड़ितों को रोबोकॉल की गई। फोन करने वाले स्वयं को सामाजिक सुरक्षा प्रशासन, एफबीआई या औषधि प्रवर्तन प्रशासन की एजेंसियों के अधिकारी बताते थे और पीड़ित को अपनी बात न मानने पर कानूनी या वित्तीय मुकदमों में फंसाने की धमकी देते थे। कभी वे पीड़ित को अन्य प्रौद्योगिकी कंपनी के 'अधिकारी' से बात करने के लिए कहते और वह 'अधिकारी' पीड़ित के 'पर्सनल कंप्यूटर'तक पहुंच हासिल कर उसके बैंक खाते का ब्यौरा ले लेता था।

पाकिस्तान ने पंजाब प्रांत स्थित हिंदू मंदिर आने के लिए 112 भारतीयों को वीजा जारी किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पंजाब के चकवाल जिले के एक प्रमुख हिंदू मंदिर परिसर में आने के लिए 112 भारतीय तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किया।नयी दिल्ली में पाकिस्तान के उच्चायोग ने ट्वीट किया, ''ये तीर्थयात्री 17-23 दिसंबर तक श्री कटास राज मंदिर की यात्रा करेंगे, जिसे किला कटास या कटास मंदिर परिसर के रूप में भी जाना जाता है।''इसने कहा, ''भारत में पाकिस्तान के उच्चायोग ने भारतीय हिंदू तीर्थयात्रियों को पंजाब, पाकिस्तान में एक प्रमुख हिंदू मंदिर की यात्रा के लिए आज 112 वीजा जारी किए।'' कटास राज मंदिर परिसर एक तालाब के चारों ओर बना है, जिसे हिंदुओं द्वारा पवित्र माना जाता है।

सूखे के कारण मौत:पानी न मिलने से 6 जिराफों ने दम तोड़ा, केन्या से सामने आई दिल दहलाने वाली तस्वीर

नैरोबी। अफ्रीकी देश केन्या भयानक सूखे का सामना कर रहा है। सूखे का असर यहां के जंगली जानवरों पर भी पड़ रहा है। भोजन और पानी न मिलने की वजह से यहां के वजीर इलाके में स्थित साबुली वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में 6 जिराफों की मौत हो गई। इनके मौत के बाद की तस्वीरें दुनिया भर में सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। दिल दहला देने वाली इन तस्वीरों में दिख रहा है कि भोजन और पानी के अभाव में इनका शरीर जर्जर हो गया था। बताया जा रहा है कि ये जिराफ पानी की तलाश में लगभग सूख चुके एक जलाशय के पास आए थे, जहां कीचड़ में वे फंस गए। जिराफ इतने कमजोर हो गए थे कि उससे बाहर नहीं निकल सके और वहीं पर तड़प-तड़प कर उन्होंने दम तोड़ दिया।

तस्वीरों ने दुनिया को सोचने के लिए मजबूर किया

जिराफों के शवों को दूसरी जगह ले जाया गया, जहां ये तस्वीरें यह ली गईं। जलाशय के बचे पानी को दूषित होने से बचाने के लिए शवों को वहां से हटाया गया। इन तस्वीरों ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया है। साथ ही यह सोचने पर मजबूर किया कि है कि पर्यावरण की अनदेखी कितनी भारी पड़ सकती है।

30फीसदी से भी कम बारिश से केन्या में हालात बिगड़े-केन्या के उत्तरी इलाके में सितंबर के बाद सामान्य से 30फीसदी से भी कम बारिश हुई है, जिससे यहां भयंकर सूखा पड़ा है। बारिश की कमी ने जंगली जानवरों पर विनाशकारी असर डाला है। पशु पालने वाले समुदायों का जीवन भी काफी प्रभावित हुआ है। पशुओं के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था करने में मुश्किल पेश आ रही है।

बोर-अल्गी जिराफ सेंचुरी में काम करने वाले इब्राहिम अली ने बताया कि जंगली जानवरों को सबसे ज्यादा खतरा है।

पालतू जानवरों की तो मदद की जा रही है, लेकिन वन्यजीवों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। उन्होंने बताया कि नदी के किनारे खेती करने से रोक दिया गया है। नदी तक जिराफों की पहुंच भी मुश्किल हो गई है। हालात बहुत खराब हैं।

हैती में तेल टैंकर पलटने के बाद विस्फोट में 75 लोगों की मौत

हैती । हैती में एक तेल टैंकर के पलटने के बाद उसमें विस्फोट होने से कम से कम 75 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। केप-हैतियन में आधी रात के बाद विस्फोट हुआ था, जिसके कई घंटे बाद भी उसकी चपेट में आईं इमारतें और वाहन अब भी जल रहे हैं। अग्निशामकों ने आग में जले हुए शवों को सफेद चादर से ढक दिया और उन्हें एक ट्रक में लाद दिया। केप-हैतियन के डिप्टी मेयर पैट्रिक अल्मोनर ने कहा, '' जो हुआ वह भयावह है।' उन्होंने बताया कि हुए हादसे में 75 लोग मारे गए हैं। हैती के इस दूसरे सबसे बड़े शहर में अस्पताल पूरी तरह भरे हैं, जबकि झुलसे 15 लोगों को हवाई मार्ग से राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस ले जाया गया है। प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने ट्वीट किया था, ''इस हादसे में मारे गए लोगों की याद में पूरे क्षेत्र में तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया जाएगा। हादसे से पूरा राष्ट्र दुखी है।' तेल टैंकर में विस्फोट ऐसे समय हुआ है, जब हैती ईंधन की भारी कमी और इसके दामों में लगातार जारी वृद्धि जैसी समस्या से जूझ रहा है।

अलीबाबा से निकाली गई पूर्व कर्मी की चेतावनी, सार्वजनिक मंच पर आगे आने से पीड़ितों को होगा 'नुकसान'

बीजिंग। यौन उत्पीड़न का आरोप सार्वजनिक होने के बाद चीनी ई-कॉमर्स कंपनी से निकाली गई महिला कर्मी ने चेतावनी देते हुए कहा कि वह चीन में अन्य पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित नहीं कर रही हैं क्योंकि '' इससे उन्हें केवल और चोट पहुंचेगी।' झोउ उपनाम की महिला कर्मचारी ने इस साल अगस्त में सार्वजनिक रूप से अपने सहकर्मी पर कारोबारी यात्रा के दौरान यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। इसके बाद चीन में यौन उत्पीड़न के मामले से निपटने के तरीके को लेकर जनता में आक्रोश देखने को मिला था। चीनी अखबार दाहे डेली में प्रकाशित साक्षात्कार में झोउ ने कहा कि उन्हें कई महिलाओं के संदेश आए जिन्होंने कहा कि वे भी काम के दौरान शराब पिलाने और यौन हमले का शिकार हुईं। इनमें से अधिकतर सामने नहीं आईं और इसके बजाय इन घटनाओं को सहा या इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा,'' मैं इन लोगों के लिए दुखी हूं। लेकिन मैं समझ सकती हूं कि उन्होंने यह रास्ता क्यों चुना। मैं यौन हमले की शिकार पीड़ितों से अपील नहीं करूंगी कि वे सामने आएं और अपनी कहानी साझा करें क्योंकि ऐसा करने से उन्हें और नुकसान होगा।'

नेपाल के पीएम की पॉलिटिकल पावर और बढ़ी:शेर बहादुर देउबा ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव दूसरी बार जीता

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव जीत लिया है। देउबा को 4,623 में से 2,733 वोट मिले। इलेक्टोरल बॉडी ने अभी तक नतीजों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन PM देउबा को पार्टी अध्यक्ष के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया है।

देउबा ने डॉ. शेखर कोइराला को हराया, जबकि बाकी उम्मीदवारों ने चुनाव के दूसरे चरण में हार मान ली थी। 14वें आम सम्मेलन के तहत सोमवार को हुए चुनाव में प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, डॉ शेखर कोइराला, प्रकाश मान सिंह, बिमलेंद्र निधि और कल्याण गुरुंग उम्मीदवार थे।

पहले दौर में किसी को 50त्न से ज्यादा वोट नहीं मिले

पहले दौर में देउबा को 2258 वोट मिले थे। इसी तरह डॉ कोइराला को 1702 वोट, निधि को 249 वोट, सिंह को 371 वोट और गुरुंग को 22 वोट मिले। पहले दौर के मतदान में किसी को 50त्न से ज्यादा वोट नहीं मिले। इसके बाद दूसरे दौर का मतदान दोपहर साढ़े तीन बजे से शुरू हुआ। दूसरे दौर के लिए मतदान जारी है, क्योंकि किसी भी उम्मीदवार को 50 फीसदी वोट नहीं मिले।

नेपाल के PM शेर बहादुर देउबा ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव जीत लिया है। **हम नेपाल में राजशाही से लेकर लोकतंत्र तक के बारे में बता रहे हैं।**

- 1768 में राजा पृथ्वी नारायण शाह ने नेपाल एकता की मुहिम शुरू की। यहीं से आधुनिक नेपाल का जन्म हुआ।
- 1815 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और नेपाल के पांचवें राजा बिक्रम शाह के बीच लड़ाई हुई। अंत सुगौली की संधि पर हुआ।
- 1846 में जंग बहादुर राणा ताकतवर सैन्य कमांडर बना। भारत में 1857 की क्रांति के समय राणा ने अंग्रेजों का साथ दिया।
- 1923 में ब्रिटेन ने सुगौली संधि को मैत्री संधि नाम दिया। अंग्रेजों ने नेपाल की जमीन का एक बड़ा हिस्सा लौटा दिया।
- किंग ने बीपी कोइराला को नेपाल का पहला PM (1959) बनाया। पहले निर्वाचित PM कृष्ण प्रसाद भट्टराई (1990) थे।
- 1999 में कांग्रेस से कृष्ण प्रसाद भट्टराई PM बने। अगले साल उन्हें पद छोड़ना पड़ा। गिरिजा प्रसाद कोइराला चौथी बार PM बने।
- 1 जून 2001 को नेपाल के राजकुमार दीपेंद्र ने राजपरिवार के कई सदस्यों की हत्या कर दी। खुद को भी गोली मार ली।
- नेपाल में 28 मई, 2008 को 240 साल की राजशाही खत्म कर लोकतंत्र स्थापित हुआ। किसी PM ने यहां 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया।

भारत समर्थक माने जाते हैं देउबा

नेपाल में 4 बार प्रधानमंत्री रह चुके देउबा को भारत समर्थक माना जाता है। 2017 में प्रधानमंत्री बनने के बाद वे दिल्ली आकर पीएम नरेंद्र मोदी से मिले थे। देउबा भारत के साथ आर्थिक रिश्तों से लेकर मधेशियों के मामले में नरम रवैया दिखाते रहे हैं।

नेपाल में पिछले साल दिसंबर से सियासी संकट

नेपाल में पिछले साल दिसंबर से सियासी संकट बना हुआ है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी में कलह की वजह से सरकार नहीं चल पाई थी। प्रधानमंत्री ओली की सलाह पर राष्ट्रपति ने 20 दिसंबर को संसद भंग करके 30 अप्रैल और 10 मई को चुनाव कराने का ऐलान किया था, लेकिन फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने संसद को बहाल कर दिया था। इसी साल जुलाई में शेर बहादुर देउबा 5वीं बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने।

दुनिया के लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है ओमिक्रॉन, डब्ल्यूएचओ ने जताई चिंता

वाशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने कहा है कि कोविड-19 के नए रूप ओमिक्रॉन से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मृतकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। ब्रिटेन स्वास्थ्य एजेंसी ने को ओमिक्रॉन से पहली मौत की पुष्टि की है। डब्लूएचओ ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वैश्विक तौर पर इस वैरिएंट से जुड़े मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मृतकों की संख्या में वृद्धि हो सकती है।डब्ल्यूएचओ ने कहा कि कई देशों में लगातार सभी मामलों और मौत के आंकड़ों का विश्लेषण करने की क्षमता नहीं है, जिससे किसी विशेष रूप से मौतों की सटीक जानकारी प्राप्त करना काफी मुश्किल है। कोविड-19 का नया रूप ओमिक्रॉन कितना खतरनाक है, इसका पता मामलों में बढ़ोतरी और उससे हुई मौत के आंकड़ों में देरी के कारण आगामी कुछ हफ्तों में ही जानकारी मिल पाएगी।

ब्रिटेन में बूस्टर डोज संकट:क्रिसमस से पहले तीसरा डोज चाहते हैं ब्रिटिश; एक दिन में 44 लाख ने अप्लाई किया, 12फीसदी ही कामयाब

लंदन। ब्रिटेन में एक दिन में दो लाख से ज्यादा कोरोना केस मिलने के बाद लोगों में वैक्सीन के बूस्टर डोज के लिए होड़ मच गई है। ज्यादातर ब्रिटिश क्रिसमस से पहले तीसरा डोज चाहते हैं। इसे देखते हुए यूनाइटेड किंगडम नेशनल हेल्थ सर्विस की वेबसाइट पर एक दिन में 44 लाख से ज्यादा लोगों ने स्लॉट बुक करने की कोशिश की, लेकिन सिर्फ 5 लाख 45 हजार को ही स्लॉट मिल पाया।

ब्रिटेन में इतनी बड़ी तादाद में लोग बूस्टर डोज के लिए अप्लाई कर रहे हैं कि बूस्टर डोज का संकट खड़ा हो गया है। हेल्थ सेंटर्स के बाहर सुबह से लंबी कतारें देखी गईं, लोग अपनी बारी का इंतजार करते देखे गए। वहीं, NHS प्रमुख ने बूस्टर डोज को लेकर कहा- एक हफ्ते में 50 लाख बूस्टर शॉट तक पहुंचना संभव है, लेकिन कोई वादा नहीं किया जा सकता।

दो से तीन दिन में दोगने हो रहे ओमिक्रॉन केस

ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को लेकर ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रेटरी ने बताया कि बूस्टर शॉट रजिस्ट्रेशन के लिए इतने ज्यादा लोग लॉगइन थे कि वेबसाइट ही क्रैश हो गई। हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक, दो से तीन दिन में ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले दोगुने हो रहे हैं।

मंगलवार को ब्रिटिश उप प्रधान मंत्री डॉमिनिक रॉब ने बताया कि ओमिक्रॉन संक्रमित कम से कम 250 लोग अस्पताल में हैं। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एक दिसंबर को ओमिक्रॉन का पहला केस मिलने के बाद 13 दिसंबर तक यह आंकड़ा 4250 को पार कर गया है।

हर दिन 10 लाख बूस्टर शॉट लगाने का टारगेट

ओमिक्रान के बढ़ते खतरे के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रविवार को देश को संबोधित किया। ओमिक्रॉन से पहली मौत की पुष्टि की। जिसके बाद 10 लाख से ज्यादा लोगों ने बूस्टर शॉट लिया या तीसरा डोज बुक किया। ब्रिटिश सरकार कोरोना पर काबू पाने के लिए हर दिन 10 लाख बूस्टर शॉट लगाने का टारगेट लेकर चल रही है, लेकिन अभी तक 6 लाख का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है। जॉनसन ने 31 दिसंबर से पहले सभी युवाओं को बूस्टर शॉट देने की बात कही थी। फिलहाल, 30 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को ही बूस्टर शॉट दिया जा रहा है।

डेल्टा को पछाड़ देगा ओमिक्रॉन-जॉनसन के मुताबिक- ओमिक्रॉन जिस तेजी से फैल रहा है, वह जल्द ही डेल्टा वैरिएंट को पछाड़ देगा। लंदन और दूसरे हिस्सों में केस बढ़ रहे हैं। नवंबर में इस नए वैरिएंट की पहचान की गई थी। अब यह करीब 50 देशों में पाया जा चुका है। भारत में भी इस वैरिएंट के 61 मामले सामने आ चुके हैं।

चीन पर मिलेगी बढ़त: रूस के डिप्टी पीएम बोले- एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम एस-500 पाने वाला पहला देश बन सकता है भारत, बातचीत जारी

मास्को। एस-500 एंटी एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम जल्द ही भारत को मिल सकता है। यह दावा रूस के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर यूरी बोरिसोव ने किया है। इसे दावे को बहुत गंभीरता से इसलिए जा रहा है, क्योंकि वर्ल्ड मीडिया में कुछ महीने से यह खबर लगातार आ रही थी कि भारत और रूस के बीच सीक्रेट तौर पर एस-500 डील पर बातचीत चल रही है। यह चर्चा तब और तेज हो गई जब इसी महीने की शुरुआत में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने भारत का दौरा किया। बहरहाल, अगर भारत एस-500 खरीदता है तो उसे चीन पर बढ़त हासिल हो जाएगी, क्योंकि चीन के पास एस-400 है और इसे भारत भी खरीद रहा है।

पहले रूस के डिप्टी पीएम की बात- मीडिया से बातचीत में बोरिसोव ने कहा- मुझे लगता है कि भारत एस-500 का दुनिया में पहला खरीदार बन सकता है। इस बारे में किसी को कोई शक नहीं होना चाहिए। पहले हम अपने सेना को इस सिस्टम से लैस करना चाहते हैं। इसके बाद भारत ही हमारी पहली प्राथमिकता है। इस तरह का एंटी एयरक्राफ्ट और मिसाइल सिस्टम दुनिया में किसी और देश के पास नहीं है और यह कम्पलीट मिसाइल शील्ड है। फिलहाल, इसकी सप्लाई हमारी सेना को की जा रही है।

एस-500 का प्रोडक्शन 2019 में शुरू हुआ था। फिलहाल, इसकी डिलीवरी सिर्फ रूस की फौज को की जा रही है। भारत इसका पहला खरीदार बन सकता है।

एस-500 का प्रोडक्शन 2019 में शुरू हुआ था। फिलहाल, इसकी डिलीवरी सिर्फ रूस की फौज को की जा रही है। भारत इसका पहला खरीदार बन सकता है।

प्रोडक्शन से पहले ऑर्डर

2019 में एस-500 का फाइनल टेस्ट किया गया था। इसके बाद रूसी फौज के लिए इसका प्रोडक्शन शुरू हुआ।

भारत ''कठिन पड़ोसियों'' के बीच स्थित है : भारत के लिए अमेरिका के नामित राजदूत ने कहा

वाशिंगटन। भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा नामित लॉस एंजिलिस के मेयर एरिक माइकल गार्सेटी ने कहा है कि भारत ''कठिन पड़ोसियों'' के बीच स्थित है और वह ''अपनी सीमाओं एवं संप्रभुता की रक्षा करने तथा हमलों को रोकने की'' भारत की क्षमता को मजबूत करने के अमेरिकी प्रयासों को और आगे बढ़ाएंगे भारत के लिए अमेरिका के राजदूत पद पर अपने नाम की पुष्टि संबंधी सुनवाई के दौरान गार्सेटी ने सांसदों से कहा, ''भारत कठिन पड़ोसियों के बीच स्थित है।

यदि मेरे नाम की पुष्टि हो जाती है तो मैं इसकी सीमाओं एवं संप्रभुता की रक्षा करने और हमलों को रोकने की भारत की क्षमता को मजबूत करने के अमेरिकी प्रयासों को और आगे बढ़ाऊंगा।'' गार्सेटी ने कहा कि वह ''सूचना साझा करके, आतंकवाद विरोधी समन्वय, नौवहन गश्त की संयुक्त स्वतंत्रता और सैन्य अभ्यास (जिसमें मैंने अपने भारतीय समकक्षों के साथ एक नौसेना अधिकारी के रूप में भाग लिया है) और हमारी सर्वोत्तम रक्षा प्रौद्योगिकियों की बिक्री'' के माध्यम से ये प्रयास करेंगे ताकि ''हमारी बड़ी रक्षा साझेदारी को उसकी पूरी क्षमता तक आगे बढ़ाया जा सके।''उन्होंने कहा कि अगर उनके नाम की पुष्टि हो जाती है, तो वह अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) और एजेंडा 2030 जलवायु एवं स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के माध्यम से हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साहसिक दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेंगे।

डीडीए ने स्थानीय पार्कों का किया कायाकल्प

विशाल कुमार

नई दिल्ली। रमपुरा, शिवाजी नगर और कैपिटल ग्रीन्स के निवासियों ने सिटी पार्क के रखरखाव के लिए डीडीए के प्रयासों की सराहना की है। इस 128 एकड़ के पार्क को हरे-भरे रमणीय स्थल में तब्दील कर दिया गया है और अब यह सेंट्रल दिल्ली के लिए हरे फेफड़े के तौर पर साबित हो रहा है।

क्षेत्र के निवासियों के अनुसार, डीडीए ने पार्क के पूरे वातावरण और ईको सिस्टम में सुधार किया है। पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए में एक हरा-भरा मनोरंजक स्थान एवं सुन्दर स्थल है।

इसमें 19000 से अधिक पेड़ हैं जो प्रवासी पक्षियों का आश्रय बना हुआ है, पिछले कुछ हफ्तों में इस पार्क में प्रवासी पक्षियों की 25 से अधिक नई प्रजातियों को देखा गया है, स्थानीय निवासी और पक्षी प्रेमी अनिकेत ने कहा।

पार्क पेशेवर सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा

संचालित है, इसमें पर्याप्त मात्रा में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और रात में क्यूआरटी टीम द्वारा यहां गश्त की जाता है। आसपास के आवासीय कालोनियों के पानी को रीसायकल कर पार्क में उपयोग किया जाता है। पार्क में औषधीय पौधों, मौसमी फूलों और वर्मी कंपोज्ड बनाने की इकाइयाँ हैं जो इसे पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाती हैं।

डीडीए सिटी पार्क ने इस क्षेत्र में बदलाव लाया है, क्षेत्र के बुजुर्ग निवासियों को याद है कि जब मेट्रो का निर्माण किया गया था तब चारों ओर धूल ही धूल थी डीडीए ने इस पार्क की देखरेख करके इसे शहर के अन्य पार्कों की तुलना में बेहतर नहीं तो समकक्ष जरूर बना दिया है।

यहां पड़ोसी क्षेत्र के निवासियों को सुबह-शाम टहलते हुए देखा जा सकता है। जबकि दोपहर में बच्चे पार्क के आसपास दौड़ने और खेलने का आनंद लेते हैं।

स्थानीय निवासी एवं श्रीमती भावना एक अभिभावक हैं, हमें खुशी है कि डीडीए ने इतना सुंदर पार्क बनाया है, मेरे बच्चे हर रोज पार्क में खेलने जाते हैं क्योंकि उनके स्कूल बंद हैं, पार्क उन्हें खेलने और आसपास घूमने के लिए एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है।

आज हम प्रदूषण, पर्यावरण के विघटन और चरम मौसमीय परिस्थितियों के साथ जी रहे हैं और यह स्थिति हर गुजरते साल के साथ खराब होती जा रही है। पार्क का संरक्षण और हरियाली शहरी वातावरण में एक पारिस्थितिक संतुलन दे रहा है और शहर को एक हरा फेफड़ा दे रहा है।

डॉक्टर अजय नायर ने हफ्ते के अंदर के कैम्प का आयोजन

नई दिल्ली। आज के दौर में हम जितना आधुनिकता की ओर बढ़ रहे है उतना ही अपनी जीवनशैली में आराम को बढ़ाते जा रहे है अथवा उसी प्रकार शिकायते भी बढ़ रही है। कुछ लोगो को रोज़ मर्रा के काम मे भी शिकायते है इस सब को मद्दे नज़र रखते हुए डॉक्टर अजय नायर जो सऊदी अरेबिया के अल्हायत नेशनल हॉस्पिटल में चिकित्सा अधिकारी के पद पर 15 साल से भी ज्यादा रहकर एवम अपने ज्ञान एवम अनुभव से तकरीबन 70 हज़ार से भी ज्यादा मरीज़ों को पीड़ा से राहत दे चुके है, एवम अब डॉक्टर नायर भारत मे आकर अपने देश के लोगो को अपने अनुभव से एवम सबसे बेहतरीन एवम फ्रांस से आयात की गई नई तकनीको से यहां इलाज कर रहे है जो आपको ऑपरेशन से बचाती है घुटने में दर्द हो या कई साल पुराना दर्द

मुफ्त इलाज देकर लोगो को सम्पूर्ण जानकरी देकर लोगो को जागरूक

आज के समाज मे लोग जिस जिस तरह से आधुनिकता एवं तकनीक की ओर अग्रसर हो रहे है उसी समय लोग नई नई बीमारियों एवं विकारो से भी पीड़ित हो रहे है जिसमे सबसे महत्वपूर्ण शरीर के आसन है तथा लोगो मे शरीर के आसनो के नए विकार उत्पन्न होरहे है एवं इससे समाज का हर वर्ग चाहे वो युवा हो या मध्य हो या बुजुर्ग वर्ग सभी इन विकारों से पीड़ित है एवं वे सभी इन विकारो के प्रति जागरूक भी नही है इसी को मद्देनजर रखते हुए डॉक्टर अजय नायर ने हफ्ते के अंदर के कैम्प का आयोजन किया एवं मुफ्त इलाज देकर लोगो को सम्पूर्ण जानकरी देकर लोगो को जागरूक किया हम सब आभारी है इनफिनिटी यूनिटी नामक चिकित्सल्य लोगो के बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में कई दर्शकों से कार्य कर रही है।

वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया द्वारा मीडिया व्हीकल स्टीकर लॉन्च

नई दिल्ली। वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ़ इंडिया की दिल्ली प्रान्त की इकाई द्वारा आयोजित एक बैठक में मीडिया व्हीकल स्टीकर लॉन्च किया गया जिसमे वर्किंग जर्नलिस्ट ऑफ़ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनूप चौधरी, राष्ट्रीय महामंत्री नरेंद्र भंडारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय उपाध्याय उपस्थित थे। मीडिया व्हीकल स्टीकर लॉन्च के अवसर पर अध्यक्ष अनूप चौधरी ने कहा कि इस स्टीकर से एक तो मीडिया वाहनो की पहचान हो सकेगी साथ ही मीडिया कर्मियों के वाहनों से किसी अन्य को असुविधा ना हो इसी उद्देश्य से ये स्टीकर मीडिया के सभी कर्मी अपने वाहनों पर लगाए।

राष्ट्रीय महामंत्री नरेंद्र भंडारी ने कहा कि सभी मीडिया कर्मी अपने अपने वाहनों का प्रदूषण चेक अवश्य करवाए ताकि वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखा जा सके।

इस कार्यक्रम में दिल्ली इकाई के अध्यक्ष संदीप शर्मा महामंत्री देवेंद्र तोमर, कोषाध्यक्ष नरेंद्र धवन, उपाध्यक्ष प्रमोद गोस्वामी, अशोक धवन, अशोक सक्सेना, लक्ष्मण कुमार इन्दोरिया सहित , स्वतन्त्र सिंह भुल्लर, ईश मालिक,देवेंद्र पवार, सिराज अब्बास , जितेंद्र चतुर्वेदी , जगजीत, दिव्या सिंह, महेश आदि पत्रकार मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा, हमारे हिंदुत्व आंदोलन में दखल नहीं देना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदू, हिंदुत्व और भारत को लेकर भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी का एक बड़ा बयान सामने आया है। दरअसल स्वामी ने ट्विट कर कहा कि नए अमेरिकी राजदूत ने भारत में मानवाधिकारों में अपनी रुचि पर एक बयान दिया है, जो कि काफी उचित है।लेकिन उन्हें हमारे हिंदुत्व आंदोलन में दखल नहीं देना चाहिए। भारत की उतनी ही हिंदू पहचान है, जितना की अमेरिका की ईसाई है, जैसा कि हार्वर्ड के प्रोफेसर सैम हंटिंगटन ने क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन बुक में कहा है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा नामित लॉस एंजिलिस के मेयर एरिक माइकल गासेर्टी के मानवाधिकार पर दिए बयान पर सुब्रमण्यम स्वामी ने प्रतिक्रिया दी है। माइकल गासेर्टी ने कहा था कि दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों के लिए मानवाधिकार का सम्मान एक महत्वपूर्ण कुंजी रही है। भारत में मानवाधिकारों से संबंधित सवालों के जवाब में गासेर्टी ने अमेरिकी सांसदों को आश्वासन दिया कि अगर वहां राजदूत के रूप में चुने जाते हैं,तब वहां व्यक्तिगत रूप से इस मुद्दे पर भारत में सभी पक्षों से बात करेंगे।

कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 135 .25 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले 24 घंटों में 60,12,425 वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 135.25 करोड़ (1,35,25,36,986) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,41,93,269 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया है। पिछले 24 घंटों में 7,948 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों(महामारी की शुरूआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,41,54,879 हो गई है। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.38 % है। मार्च 2020 के बाद से ये अधिकतम है। केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा निरंतर और सहयोगात्मक रूप से किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप पिछले 49 दिनों से लगातार 15,000 कम दैनिक नए कोविड मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 7,974 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 87,245 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 0.25 प्रतिशत हैं। यह मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। देशभर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 12,16,011 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 66.02 करोड़ (66,02,47,762) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.64 प्रतिशत है जो पिछले 32 दिनों से लगातार 1% से कम बनी हुई है। दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.57 प्रतिशत है। दैनिक सकारात्मकता दर पिछले 73 दिनों से 2 प्रतिशत से कम और लगातार 108 दिनों से दैनिक 3 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

अब श्रमिको को भी मिलेगी सालाना 36000 रूपए पेंशन

» आनंद राय

गुरुग्राम। केंद्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए ई-श्रमिक पोर्टल लॉन्च किया है। इस ई श्रम पोर्टल के जरिए केंद्र सरकार देश के हर मजदूर का रिकॉर्ड जुटाएगी। निर्माण श्रमिक, प्रवासी श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले और घरेलू कामगार इस पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। असंगठित क्षेत्र के करीब 38 करोड़ मजदूरों के लिए 12 अंकों का यूनिवर्सल अकाउंट नंबर और ई श्रम कार्ड जारी किया जाएगा, जो पूरे देश में मान्य होगा

सरकार की इस पहल से देश के करोड़ों असंगठित श्रमिकों को एक नई पहचान मिलेगी। इस ई श्रम पोर्टल पर पंजीकरण के बाद श्रमिकों को भारत सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ लेने के लिए बार-बार पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं होगी। रजिस्ट्रेशन के तीन तरीके हैं। अगर आप भी ई श्रम कार्ड बनवाना चाहते हैं तो ऑफिशियल वेबसाइट eshram.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। सभी श्रमिक ले सकते हैं।

यदि कोई कर्मचारी ई श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करता है तो उसे 2 लाख रुपये के दुर्घटना बीमा का लाभ मिलेगा। इसमें

सरकार की ओर से एक साल का प्रीमियम दिया जाएगा। यदि कोई पंजीकृत कर्मचारी किसी दुर्घटना का शिकार होता है तो उसकी मृत्यु या पूर्ण रूप से अपंग होने की स्थिति में वह 2 लाख रुपये का हकदार होगा। वहीं, आंशिक रूप से विकलांगों के लिए बीमा योजना के तहत एक लाख रुपये दिए जाएंगे। हालांकि ई श्रम कार्ड योजना के कई लाभ हैं जो सीधे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को मिलेंगे।

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय असंगठित क्षेत्र के करीब 38 करोड़ श्रमिकों के लिए 12 अंकों का ई श्रम कार्ड यूनिवर्सल अकाउंट नंबर जारी करेगा। इस कदम से न केवल कल्याणकारी योजनाओं की पोर्टेबिलिटी की सुविधा होगी, बल्कि संकट के समय श्रमिकों को कई लाभकारी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। बता दें कि देश भर से 38 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिक इस ई श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करा सकते हैं। इनमें कृषि श्रमिक, प्रवासी श्रमिक, गिग श्रमिक आदि शामिल हैं।

ई श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों की आयु 18 वर्ष है तो आपको 55 रुपये प्रतिमाह जमा करना होगा, यदि आप 40 वर्ष के हैं तो 60 वर्ष की आयु तक 200 रुपये प्रति माह जमा करना होगा। जिसके बाद ई श्रम कार्ड धारकों को पेंशन मिलेगी। यह पेंशन राशि उनके वृद्धावस्था का सहारा होगी क्योंकि बुढ़ापे में कोई किसी की देखभाल नहीं करता है, लेकिन ई श्रम पेंशन योजना के माध्यम से श्रमिकों को किसी के आगे झुकना नहीं पड़ेगा और न ही उन्हें किसी सहारे की आवश्यकता होगी।

दक्षिण -पूर्वी पुलिस जिला ने लगाई अपराध पर लगाम : ऑपरेशन संरक्षण' का सफल प्रयास

» रवि शंकर तिवारी

'ऑपरेशन संरक्षण' के तहत थाना ओखला औद्योगिक क्षेत्र के क्षेत्र जेजेआर चावला कैंप, ओखला में घेराबंदी और खोज अभियान चलाया गया इस ऑपरेशन के तहत दिनांक 13.12.2021 को थाना ओखला औद्योगिक क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र में स्थित जेजेआर चावला कैंप में घेराबंदी और तलाशी अभियान (CASO) चलाया गया। पुलिस टीम को ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति के बारे में ठीक से जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों को टीमों में विभाजित किया गया था और क्षेत्र को बंद कर दिया गया था और टीमों को प्रवेश और निकास बिंदु और क्षेत्र के अन्य रणनीतिक बिंदुओं पर हाई अलर्ट मोड पर तैनात किया गया था। इलाके में विशेष रूप से संदिग्ध शराब तस्कर के ठिकाने पर गहन तलाशी ली गई। जेजेआर चावला कैंप में रहने वाले बी सी अपराधियों की जांच की गई। आसपास घूम रहे लोगों को घेर कर उनसे गहन पूछताछ की गई। ईशा पांडेय जिला उपायुक्त पुलिस(दक्षिण -पूर्वी पुलिस जिला) ने बताया कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य क्षेत्र में आपराधिक

गतिविधियों की जांच करना और अपराधियों के बीच एक मजबूत संदेश भेजना था। पुलिस टीमों के सामूहिक प्रयासों के परिणामस्वरूप आम जनता में विश्वास पैदा हुआ और अपराधियों को किसी भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने से रोका गया। इस सफल ऑपरेशन के दौरान 25 व्यक्तियों को धारा 65 डीपी अधिनियम के तहत हिरासत में लिये गये है, 02 बी सी अपराधियों की जाँच की गई।

नीलामी नियमों में संशोधन से खनिज ब्लॉक बिक्री में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी: सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने गुरुवार को कहा कि खनिज नीलामी नियमों में संशोधन से प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा, इससे ब्लॉक की बिक्री में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। खान मंत्रालय ने कहा कि उसने खनिज (खनिज सामग्री साक्ष्य) नियम, 2015 (एमईएमसी नियम) और खनिज (नीलामी) नियम, 2015 (नीलामी नियम) में संशोधन करने के लिए खनिज (खनिज सामग्री साक्ष्य) द्वितीय संशोधन नियम, 2021 और खनिज (नीलामी) चतुर्थ संशोधन नियम, 2021 को अधिसूचित किया है। संशोधन नियम राज्यों, उद्योग संगठनों, खनिकों, अन्य संबंधित पक्षों और आम जनता के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि एमईएमसी नियमों में संशोधन से नीलामी में हिस्सा लेने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति समग्र लाइसेंस की खातिर नीलामी के लिए उस उपयुक्त ब्लॉक का प्रस्ताव देने में सक्षम होगा, जहां उपलब्ध भू-विज्ञान डेटा के आधार पर ब्लॉक की खनिज क्षमता की पहचान की गई है। किसी भी राज्य द्वारा गठित समिति प्रस्तावित ब्लॉक की खनिज क्षमता का आकलन कर नीलामी के लिए खदान की सिफारिश करेगी। इसके अलावा, नीलामी नियम में संशोधन यह प्रावधान करता है, कि अगर किसी व्यक्ति द्वारा प्रस्तावित ब्लॉक को नीलामी के लिए अधिसूचित किया जाता है, तो उस व्यक्ति को उन प्रस्तावित ब्लॉक की नीलामी में बोली संबंधी सुरक्षा राशि का केवल आधा जमा करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा, इन संशोधनों से नीलामी में अधिक भागीदारी और साथ ही प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।' इससे राज्य सरकारों को समग्र लाइसेंस की नीलामी के लिए और भी ब्लॉक की पहचान करने में मदद मिलेगी।

अपनी जान न्योछावर कर देश को जीत दिलाने वाले शहीदों को कभी नहीं भूलेगा हमारा देश : पंकज डावर विजय दिवस पर कांग्रेसियों ने शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

» प्रफुल्ल राय ''शिवालिक''

गुरुग्राम। गुरुग्राम में कांग्रेसी कार्यकताओं ने 50वा विजय दिवस धूमधाम के साथ मनाया। सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता पंकज डावर के नेतृत्व में शहीद स्मारक पर पहुंचे, जहां देश को विजय दिलाने वाले सभी शहीदों को नमन करते हुए सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर कांग्रेस व्यापार सेल के चेयरमैन पंकज डावर ने कहा कि पूरा भारत मे आज विजय दिवस धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। लेकिन आज हमारे देश को विजय दिवस मनाने का सुनहरा मौका मिला है तो किसकी बदौलत, यह पूरे देश को मालूम है। इसलिए हम गर्व से कहते हैं कि अपनी जान निछावर कर के देश को जीत दिलाने वाले शहीदों को हमारा देश कभी भूल नहीं सकता। पंकज डावर ने कहा कि आज हमारी भारतीय सेना सभी मोर्चे पर डटकर देश के दुश्मनों का सामना कर रही है। हमारी सेना का पराक्रम ही है जिसके कारण हम आज पूरी आजादी के साथ देश में रह रहे है। आज पूरे विश्व में भारत देश की ताकत का एहसास हमारे

जवानों ने करा रखा है। पंकज डावर ने कहा कि सियाचिन से लेकर पाकिस्तान के सभी बॉर्डर पर हमारे देश के जवान किस तरह से अपनी ड्यूटी दे रहे हैं, हम अपने जवानों की बहादुरी को सलाम करते हैं और उनके साहस और पराक्रम को भी सलाम करते हैं जिसके कारण आज हम स्वतंत्र रूप से अपने देश में खुली हवा में सांस ले रहे हैं। इस मौके पर पंकज डावर के साथ अशोक टोंक, कुलदीप कटारिया, भारत मदान, अमित कोचर, जितेश सांगवान, कृष्ण बाल्मीकि, विनोद टार्जन समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चीन और पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है भारत: चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी

विजय दिवस के स्वर्ण जयंती पर देश की रक्षा का संकल्प करे युवा पीढ़ी- चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली। दिल्ली के खेड़ा खुर्द गांव में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद एवं टीम यूनिट के द्वारा 1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत की अभूतपूर्व विजय के 50 वर्ष पूरे होने पर स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया गया। विजय दिवस के इस स्वर्णजयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी ने कहा कि हमारे देश के जवान और किसान हर चुनौती से लड़ने के लिए आज भी मजबूती से खड़े हैं। जिस तरीके से हमने 1971 में पाक को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिए, उसी तरह आज भी हमारे वीर जवान देश की सीमाओं की सुरक्षा में मुस्तैदी से तैनात हैं और चाहे चीन हो या पाकिस्तान या दुनिया की कोई भी ताकत, अगर वो भारत के खिलाफ हिमाकत करने की कोशिश करता है तो ऐसी बुरी नजर रखने वालों की आँखें निकालने का भी काम किया जाएगा। मैं नौजवान पीढ़ी ख़ासकर गांव देहात के युवाओं से अपील

करता हूँ कि अधिक से अधिक सेना में शामिल होकर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के द्वारा दिए गए नारे 'जय जवान जय किसान' के नारे को एक संकल्प मानकर देश की रक्षा करें।

आज के इस स्वर्णजयंती समारोह कार्यक्रम का मंच संचालन कर्नल राजेंद्र सिंह ने किया। जबकि कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल होने वालों में खेड़ा मान-8 के प्रधान चौधरी राजेंद्र, खेड़ा जटराणा- 8 के प्रधान वेदपाल, रामकुमार राणा, टीम यूनिटी के अध्यक्ष प्रवीण मान, कर्नल देवेंद्र सहरावत, जय हिंद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा, तीन बार राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित डिप्टी फ़ायर चीफ़ धर्मपाल भारद्वाज सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह में शामिल सभी पूर्व सुरक्षाकर्मियों, पूर्व अधिकारियों और देश की सुरक्षा में स्वंय को समर्पित करने वाले प्रहरियों को गर्मजोशी से फूल मालाओं के साथ और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव

KIIT और KISS में 'कला कुंभ' का शुभारंभ

भुवनेश्वरः कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (KISS) और कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (KIIT) ने नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (NGMA), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ एक करार किया है। अब से भारत सरकार के साथ मिलकर KIIT और ङकरर आदिवासी कला, शिल्प, कहानियों और संस्कृति को अनुसंधान और प्रलेखन, समकालीन कलाकृतियों की प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और जनजातीय कारीगरों के आदान-प्रदान के जरिए संरक्षित, सुरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए संयुक्त रूप से काम करेंगे।

इस कार्यक्रम के तहत, NGMA ने KIIT और KISS के साथ मिलकर 'आजादी का अमृत महोत्सव' और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों के वीर जीवन और संघर्ष का जश्न मनाने के लिए छह दिवसीय मेगा आर्टिस्ट वर्कशॉप - 'कला कुंभ' KISS में आयोजित किया गया। यह कार्यशाला भारत में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम या जो 12

दिसंबर से शुरू हो चुका है और 17 दिसंबर चलेगा। यह कार्यशाला अद्वैत गडनायक, महानिदेशक, NGMA की प्रत्यक्ष देखरेख में चल रही है। इसका उद्देश्य रचनात्मक रूप से भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीय गौरव की विरासत 75 मीटर की 5 स्क्रॉल पर प्रदर्शित करना है , जो गणतंत्र दिवस समारोह 2022 का एक अभिन्न अंग बनेगी।

श्री गडनायक ने बताया कि कार्यशाला संस्कृति मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के बीच एक अद्वितीय सहयोग का प्रतीक है और इसी तरह की कार्यशालाएं देश के अन्य हिस्सों में भी आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य भारत के विविध भौगोलिक स्थानों पर ध्यान केंद्रित करते

हुए स्वदेशी और समकालीन दृश्य कला प्रथाओं की हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करना है। भारत के संविधान में रचनात्मक दृष्टांतों से भी प्रेरणा ली जाएगी, जिसमें नंदलाल बोस और उनकी टीम द्वारा चित्रित कलात्मक तत्वों ने एक विशिष्ट अपील प्रदान की है। यह भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक पहचान के बारे में प्रगतिशील सभी का एक अवतार होगा, जिसका लक्ष्य बड़े पैमाने पर प्रमुखता से प्रतिनिधित्व करना है।

ओडिशा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उत्तर-पूर्व और आंध्र प्रदेश सहित पूरे भारत के कलाकार कला के स्वदेशी रूपों जैसे पट्टचित्र, तालपत्र चित्र, मंजुसा, मधुबनी और जादूपतुआ को दशार्ते हुए कलात्मक अभिव्यक्तियों के साथ भाग ले रहे हैं। इस दौरान KIIT और KISS की ओर से कलाकारों के लिए आवास और परिवहन सुविधाएं प्रदान किया गया है।

KIIT और KISS के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह ओडिशा के लिए गर्व की बात है कि KIIT और ङकरर में इस तरह की एक मेगा कलात्मक कार्यशाला आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होना KIIT और KISS के लिए सौभाग्य की बात है। डॉ सामंत ने KIIT और KISS में इस कार्यक्रम को आयोजित करने की पहल के लिए श्री गडनायक का विशेष रूप से धन्यवाद दिया। श्री हरशर्वर्धन शर्मा, अध्यक्ष, सलाहकार समिति, एनजीएमए; प्रतिष्ठित कलाकार श्री रामहारी जेना और श्री वेजायंत दास भी समन्वयक और सलाहकार हैं।

संपादकीय

लापरवाही पड़ेगी महंगी

बेहद तेज गति से फैलने वाले नये कोरोना वायरस ओमिक्रॉन के दक्षिण अफ्रीका में मिलने के बाद इसका दुनिया के 63 देशों में पहुंचना चिंता का विषय है। निस्संदेह, इस बाबत किसी भी तरह की लापरवाही समस्या के जटिल होने का कारण बन सकती है। देखते ही देखते देश के छह राज्यों व दो केंद्रशासित प्रदेशों में इसके वायरस की दस्तक चिंता बढ़ाने वाली है। यह ठीक है कि देश में वयस्क आबादी के पचास फीसदी से अधिक लोगों को दोनों डोज़ लग चुकी हैं, लेकिन चिंता की बात है कि देश में कुछ वयस्कों के अलावा किशोरों व बच्चों का टीकाकरण अभी शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में विशेषज्ञ जहां बच्चों को वैक्सीन लगाने की जरूरत बता रहे हैं, वहीं दोनों टीके लगा चुके लोगों को भी बूस्टर डोज देने की बात कह रहे हैं। विकसित देशों के अध्ययन बता रहे हैं कि जिन लोगों को दो डोज़ वाली वैक्सीन के अलावा अन्य वैक्सीन दी गई, उनकी इम्यूनिटी में ज्यादा वृद्धि हुई है। ऐसे में हमारी कोवैक्सीन मददगार हो सकती है। हालांकि, अभी नये वेरिएंट को लेकर प्रामाणिक अध्ययन आने बाकी हैं, लेकिन इस वायरस के कोरोना संक्रमण और टीकाकरण से हासिल रोग प्रतिरोधकता को बेधने के संकेत हैं, जो चिंता की बात है। लेकिन वैज्ञानिक भरोसा दे रहे हैं कि टीका लगा चुके लोगों को संक्रमण गंभीर असर नहीं करता है और शुरुआती लक्षणों के बाद जल्दी ठीक होने की संभावना होती है। वायरस की संक्रमण दर तेज होने के बावजूद इससे गंभीर रूप से बीमार पड़ने तथा मरने के आंकड़े कम हैं। बहरहाल, दूसरी लहर के वक्त देश ने संसाधनों के संकट व चिकित्सा तंत्र की नाकामी का जो हाल देखा, उसके चलते सरकार व समाज को सतर्क रहना जरूरी है। ऐसे में महाराष्ट्र, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक और चंडीगढ़ में इसके मामले प्रकाश में आने के बाद टेस्टिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटमेंट की रणनीति को कारगर बनाने की जरूरत है।

निस्संदेह वायरस अमेरिका व ब्रिटेन आदि देशों में जिस तेजी से पैर पसार रहा है, उसके चलते सरकारों के सामने नया संकट खड़ा हो गया है। कुछ यूरोपीय देशों में लॉकडाउन लगाने की घोषणा हुई है। वहीं वैक्सीन से हासिल सुरक्षा कवच को भेदने की आशंका से वायरस को लेकर सरकारों के हाथ-पैर फूले हुए हैं। खासकर टीकाकरण के दायरे से बाहर रहने वाले तबके को लेकर ज्यादा फिक्र है। आशंका है कि उनके लिये नये वायरस के संक्रमण से पिछली लहर जैसे घातक परिणाम सामने आ सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रॉन से बच्चों के बड़ी संख्या में संक्रमित होने से सरकारें व अभिभावक चिंतित हैं, भारत जैसे सघन जनसंख्या घनत्व वाले देश में वायरस की चुनौती ज्यादा बड़ी है। तभी विशेषज्ञ शीघ्र बूस्टर डोज की वकालत कर रहे हैं। जरूरत जनवरी से जारी टीकाकरण अभियान में तेजी लाने की भी है। फिलहाल देश में अन्य वायरस से संक्रमित रोगियों की स्थिति आठ हजार के आसपास है, लेकिन मरने वालों का क्रम भी जारी है। देश में साढ़े तीन करोड़ लोगों के संक्रमित होने और तीन करोड़ चालीस लाख से अधिक का ठीक होना बताता है कि हम इसका मुकाबला मजबूती से कर सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि हमने सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दोनों लहरों में करीब पौने पांच लाख लोगों को खोया भी है। फिलहाल देश में जो भी ओमिक्रॉन के मामले सामने आये हैं, वे अधिकांश विदेशों से आये लोगों में ही पाये गये हैं। सरकारें सुनिश्चित करें कि वे संक्रमण विस्तारक न बन पायें। हमारी चिंता सर्दी के मौसम में इसके विस्तार की अनुकूलता को लेकर भी होनी चाहिए क्योंकि इस मौसम में वायरस का फैलना स्वाभाविक है। हमें बचाव के उन तीन उपायों को ही अपनाना होगा, जिनका हमने पिछली दो लहरों के दौरान पालन किया। फिलहाल हमारी सजगता व सतर्कता ही हमारा प्राथमिक उपचार है। इस बीच अच्छी खबर यह है कि सीरम इंस्टिट्यूट ने तीन व उससे अधिक उम्र के बच्चों के लिये अगले छह महीनों में नोवावैक्स कोविड वैक्सीन लॉन्च करने की बात कही है।

सीबीएसई का करेक्शन

सीबीएसई जिस पर पूरे देश के विद्यार्थियों को सही शिक्षा देने की जिम्मेदारी है, वह भी कभी-कभी ऐसे काम कर बैठती है जिस पर बाद में पछताना पड़ता है, और जगहंसाई होती है सो अलग। दसवीं कक्षा की अंग्रेजी परीक्षा से एक 'कॉम्प्रिहेंशन पैसेज' और उससे जुड़े प्रश्नों को हटाना इसी का उदाहरण है। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को इसके लिए पूरे अंक देने का फैसला किया गया है। इस पैसेज के चयन के बाद सीबीएसई लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा देने और प्रतिगामी धारणाओं का समर्थन करने वाले प्रश्नों को लेकर विवाद में घिर गई थी। इस मामले को विषय विशेषज्ञों के पास भेजा गया था, जिनकी राय के बाद पैसेज और प्रश्नों को हटाने का फैसला किया गया। दसवीं की परीक्षा के प्रश्न पत्र में 'महिलाओं की मुक्ति ने बच्चों पर माता-पिता के अधिकार को समाप्त कर दिया' और 'अपने पति के तौर-तरीके को स्वीकार करके ही एक मां अपने से छोटों से सम्मान पा सकती है' जैसे वाक्यों के इस्तेमाल को लेकर विवाद उठ खड़व हुआ था। प्रश्न पत्र के अंश सोशल मीड़िया पर वायरल होने के बाद ट्विटर पर लोगों ने सीबीएसई पर जबरर्दस्त निशाना साधा और 'सीबीएसई इनसल्ट्स वीमेन' जैसे हैशटैग के माध्यम से आम लोगों की बेहद तल्ख प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। मामले को विशेषज्ञों के पास भेजा गया। उनकी राय मिलने के बाद पैसेज और उससे जुड़े प्रश्नों को छोड़ने का निर्णय लिया गया है। मामला यहीं तक सीमित रहता तो गनीमत थी ग्सीबीएसई को सोशल मीड़िया पर की गई एक शरारत पर भी स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी है। सीबीएसई ने सोशल मीड़िया पर चल रहे एक फर्जी ऑड़ियो के खिलाफ विद्यार्थियों को आगाह किया है। आड़ियो में दावा किया गया था कि 12वीं कक्षा की अकाउंटेंसी की परीक्षा में त्रुटि के कारण छात्रों को ग्रेस अंक दिए जाएंगे। बोर्ड़ ने बयान में कहा कि किसी भी रिपोर्टर ने इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक, सीबीएसई से बात नहीं की और बोर्ड़ ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। लोग किसी के बहकावे में न आएं। बोर्ड़ को चाहिए कि पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र तैयार करने की प्रक्रिया की पूरी समीक्षा करे, उसे मजबूत करने के लिए ठोस उपाय करेग जिससे आगे किसी विवाद या गड़बड़ी की कोई गुंजाइश न रहे। पाठ्यक्रम का भी परिमार्जन होना चाहिए। लैंगिक रूढ़िवादिता समाज को पीछे ले जाती है।

प्रोफेसर के नोट्स/दिलीप शाक्य

फार्म-हाउस में

आज एक अरसे बाद प्रोफेसर अपनी प्रेमिका से मिल रहे थे। उसने छतरपुर के एक फार्म-हाउस में लंच पर बुलाया था। ठीक 11 बजे डोर-बेल बजी। सामने प्रेमिका का ड्राइवर था। उसका नाम रसखान था। उम्र कोई पचास के आस-पास होगी। कद-काठी तो सामान्य थी मगर आंखों में एक अलग ही शराफत थी। यह अजीब बात थी कि रसखान प्राय: धोती-कुर्ते में ही दिखाई देता था। ज्यादा सर्दी हुई तो नेहरू-कट या शॉल पहन लेता था। उसकी मूंछें सीधी मगर सिरों पर नुकीली थीं। सूरत कुछ-कुछ बलराज साहनी-सी। प्रोफेसर ने रसखान को पानी पिलाने के बाद अपार्टमेंट लॉक किया और कार की ओर चल दिए। कार ने ठीक 12 बजे छतरपुर के फार्म-हाउस 'पिकासो' में प्रवेश किया। गेट पर नीली वर्दी पहने सुरक्षा-गार्ड मुस्तैदी से खड़ा था। रसखान ने कार पार्क की और प्रोफेसर को लॉन की ओर जाने का संकेत किया।

लॉन में पहुंचते ही कलाकार बनने की इच्छा जागने लगी। हल्की सतदयों की नर्म धूप भली लग रही थी। फिजा में महान पियानो-वादक बेला बारतोक का धीमा-धीमा संगीत बिखर रहा था। प्रोफेसर की आंखों के सम्मुख घर की दिनचर्या में काम आने वाले स्टील के छोटे-बड़े बर्तनों से आच्छादित एक विशाल धातु-वृक्ष स्थिर खड़ा था। वृक्ष से थोड़ी ही दूर उनकी प्रेमिका खड़ी थी। कंधों पर फिरोजी शाल लिपटी थी और केश करीने से बंधे थे। हाथ में एक पेंट-ब्रश था जो ईजल पर टिके सफेद कैनवस को रंग रहा था। कैनवस पर बन रहा चित्र अमूर्त-कला का सुंदर उदाहरण था। प्रोफेसर कुछ करीब पहुंचे तो प्रेमिका को उनकी मौजूदगी का भान हुआ। उसने पलट कर देखा-'अरे आप आ गए। आई एम सॉरीग मैं देख न सकी।' बेंत की बनी आराम कुतसयों की ओर संकेत करते हुए बैठने का आग्रह किया और पास ही एक पीली मेज पर रखे फ्लास्क से ग्लास में पानी ड़ालते हुए अपनी सहायिका को आवाज दी-'लिलीग चाय लाओ।' प्रोफेसर ने कैनवस की ओर देखते हुए चित्रकला की बात छेड़ दी। प्रेमिका ने बताया कि वह इन दिनों आचार्य आनंदवर्धन के ग्रंथ ध्वन्यालोक पर आधारित एक चित्र-ऌांखला पर काम कर रही है। यह उसी का तीसरा चित्र है। प्रोफेसर ने चित्र की प्रशंसा करते हुए कहा-'अद्भुत! आवाज की तस्वीर बनाना अनोखा काम है।'

काशी का सांस्कृतिक संदेश

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

भगवान शिव की नगरी के रूप में काशी आदिकाल से विश्व में प्रतिष्ठित रही है। विश्वगुरु भारत की यह सांस्कृतिक राजधानी हुआ करती थी। अनेक देशों के लोग यहां ज्ञानार्जन हेतु पहुंचते थे। भगवान शिव की कथा में काशी और गंगा जी का प्रसंग रहता है। हजार वर्ष पहले गंगा जी के तट पर दिव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम मंदिर का निर्माण किया गया था। यह भारतीय संस्कृति का महान केंद्र था। इसलिए विदेशी आक्रान्ताओं का कहर भी काशी पर रहा।

नरेंद्र मोदी ने काशी को क्वेटो की भांति विश्वस्तरीय सुविधाओं से सम्पन्न बनाने का संकल्प लिया था। जिससे दुनिया के प्रमुख तीर्थ व पर्यटन स्थल के रूप में इसकी पहचान कायम हो सके। यह मात्र धार्मिक आस्था का विषय नहीं है। पर्यटन विकास से अर्थव्यवस्था को लाभ होता है। बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में रोजगार का सृजन होता है। लेकिन भारत में तीर्थ स्थलों के विकास का ऐसा विजन कभी नहीं रहा। इस विषय को सांप्रदायिक मान लिया गया।

नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की सरकार ने इस धारणा को बदल दिया। इनके कार्यकाल में तीर्थ स्थलों का अभूतपूर्व विकास किया जा रहा। भव्य दिव्य प्रयागराज कुंभ के आयोजन का भी यही संदेश था। अयोध्या जी में श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का लोकार्पण शामिल है। कुछ वर्ष पहले तक इस स्वरूप की कल्पना भी संभव नहीं थी। काशी विश्वनाथ को यथास्थिति में ही स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकल्प की तलाश की। इस पूरे स्थल को भव्य दिव्य बना दिया गया। पहले यहां मंदिर क्षेत्र केवल तीन हजार वर्ग फीट में था। अब यह करीब पांच लाख वर्ग फीट हो गया है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि विश्वनाथ धाम का यह पूरा नया परिसर एक भव्य भवन मात्र नहीं, बल्कि यह भारत की सनातन संस्कृति का प्रतीक है। यह हमारी आध्यात्मिक आत्मा का प्रतीक है। यह भारत की प्राचीनता और परंपराओं का प्रतीक है। यह भारत की ऊर्जा व गतिशीलता का प्रतीक है। यहां केवल आस्था के दर्शन होंगे। बल्कि यहां अपने अतीत के गौरव की अनुभूति होगी।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को गंगा नदी के तट से जोड़ने का अद्भुत कार्य वर्तमान सरकार द्वारा किया गया। इस परियोजना की आधारशिला करीब तीन वर्ष पहले नरेंद्र मोदी ने रखी थी।

> "नरेंद्र मोदी ने पौराणिक ग्रंथों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यहां केवल डमरू वाले की ही सरकार चलती है। उसकी इच्छा के बिना यहां कुछ भी नहीं हो पाता है।"

परियोजना के पहले चरण में 23 भवनों का उद्घाटन किया गया। ये भवन श्री काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले तीर्थ यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान करेंगे। जिनमें यात्री सुविधा केंद्र, पर्यटक सुविधा केंद्र, वैदिक केंद्र, मुमुक्षु भवन, भोगशाला, सिटी म्यूजियम, दर्शक दीर्घा, फूड कोर्ट आदि शामिल है। इस परियोजना के अंतर्गत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास तीन सौ से अधिक संपत्तियों की खरीद और अधिग्रहण किया गया। चौदह सौ लोगों का सद्भावना के साथ पुनर्वास किया गया। कोविड महामारी के बावजूद इस परियोजना का निर्माण कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा कर लिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्य में योगदान करने वाले श्रमिकों के ऊपर पुष्प वर्षा की, उनके साथ भोजन किया। उनका यह कार्य समरसता की भावना के अनुरूप था। नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय एकता व स्वाभिमान का संदेश भी दिया। भारत ने विदेशी आक्रांताओं द्वारा किये गए विध्वंसों के बावजूद अपनी संस्कृति को जीवंत बनाये रखा है। क्योंकि यहां औरंगजेब व सालार मसूद जैसे आक्रांताओं को जवाब देने के लिए शिवा जी व महाराज सुहेल देव भी जन्म लेते रहे है। महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई जैसे अनगिनत महान विभूतियां हुई।

आजादी के अमृत महोत्सव में राष्ट्रीय स्वाभिमान के अनेक प्रसंग उजागर हो रहे हैं। इन सभी महान लोगों ने भारतीय संस्कृति के स्वाभिमान के पुनर्निर्माण का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब कभी औरंगजेब आता है तो शिवाजी भी उठ खड़े होते हैं। जब कोई सालार मसूद इधर बढ़ता है तो राजा सुहेलदेव जैसे वीर योद्धा उसे हमारी एकता की ताकत का अहसास करा देते हैं। मुगल आक्रांताओं द्वारा तोड़े गये काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए महाराष्ट्र की अहिल्या बाई होल्कर और मंदिर की भव्यता बढ़ाने वाले पंजाब के महाराज रणजीत सिंह का नाम लेकर उन्होंने राष्ट्रीय एकता का भी संदेश दिया था।

नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ को काशी के विश्वनाथ को जोड़ते हुए द्वादश ज्योतिर्लिंग की भी चर्चा की। अरुणाचल के परशुराम कुंड का उल्लेख किया। नरेंद्र मोदी ने पौराणिक ग्रंथों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यहां केवल डमरू वाले की ही सरकार चलती है। उसकी इच्छा के बिना यहां कुछ भी नहीं हो पाता है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दहेज का नासूर

बदलाव की बयार के लिए बेबाक पहल हो

दीपिका अरोड़ा

हाल ही में, दहेज प्रथा के विरुद्ध युवा-जागरूकता के कुछ सराहनीय उदाहरण प्रकाश में आए। प्रथम प्रकरण में क्रेटा गाड़ी की मांग पूर्ण न होने से रुष्ट भावी दूल्हा नियत तिथि पर बारात लेकर न पहुंचा तो हरियाणा में महेंद्रगढ़ जिले के ग्राम आकोदा निवासी नवयुवती ने साहसिक पहल दिखाते हुए, उसके विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

दूसरा मामला पंजाब में, जालंधर के कोहालां गांव से संबद्ध है, जहां अंगूठियों के लेन-देन संबंधी विवाद से आहत दुल्हन ने दहेज लोभियों के साथ विदा होने से इनकार करते हुए, आरोपितों के विरुद्ध बयान दर्ज करवाए। रोहतक के गांव निंदाना में एक किसान के बेटे ने पारिवारिक सदस्यों की मौजूदगी में, बिना दहेज विवाह करके समाज में आदर्श स्थापित किया। दुल्हन की विदाई भी दूल्हे की बाइक पर हुई।

इससे पूर्व भी विभिन्न क्षेत्रों से दहेज के विरुद्ध बिगुल फूंकने संबंधी कुछ समाचार आते रहे हैं। निश्चय ही ये सामाजिक बदलाव के मद्देनजर सुखद संदेश हैं, किंतु दहेज-प्रथा की वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाए तो यह एक गंभीर समस्या बनकर समाज की जड़ों में गहरी पैठ बना चुकी है।

दरअसल, दहेज एक जबरन थोपी गई प्रथा है, जिसका हमारे ग्रंथों में कोई उल्लेख नहीं मिलता। चिंता का विषय है, बेटी की विदाई पर आशीर्वाद स्वरूप उपहार भेंट करने की पावन परम्परा आज विद्रूपता के चरम पर है। वर-पक्ष दहेज मांगना अपना अधिकार समझता है, तो वधू-पक्ष के लिए यह समस्या बन गई है।

धनाढ्य वर्ग द्वारा दहेज के रूप में किया गया संपन्नता प्रदर्शन, मध्यवर्गीय परिवारों के लिए विवशता के विष बीज बोकर उन्हें कर्जदार तक बना डालता है। मांग पूरी न होने पर वधू का मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न इसका सर्वाधिक भर्त्सनायोग्य पहलू है। भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय कृत्य में दहेज-प्रबंधन समस्या एक मुख्य कारण रही है।

एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग

हर घंटे एक दहेज उत्पीड़ित महिला मृत्यु को प्राप्त होती है। वर्ष 2017 से 2019 के आंकड़ों के तहत दर्ज मामलों में प्रतिवर्ष बढ़ोतरी देखी गई, जो कि वर्ष 2017 में 10189, 2018 में 12826 और 2019 में 13297 रही। दहेज का यह दावानल 2017 में 7466, 2018 में 7167 तथा 2019 में 7115 बेटियों का जीवन निगल गया। दहेज निरोधक कानून-1961' के अनुसार दहेज लेना-देना, दोनों अपराध हैं। पीड़ित महिला 181 हेल्पलाइन नम्बर पर, पुलिस स्टेशन जाकर अथवा कोर्ट में केस दर्ज करवा सकती है। महिला अधिकारों से जुड़ी गैर-सरकारी संस्थाएं भी केस दर्ज करवाने का अधिकार रखती हैं, जिला अधिकारी ऐसे मामलों का संज्ञान स्वयंमेव ले सकते हैं। 498-ए के तहत आरोप सिद्ध होने पर देय जुर्माने सहित 3 से 5 वर्ष की सजा का प्रावधान है।

दहेज निषेध नियमावली-1985' के अनुसार वैवाहिक उपहारों की एक हस्ताक्षरित सूची बनाकर रखी जाए, जिसमें उपहार, उनका अनुमानित मूल्य, प्रदाता का नाम व प्राप्तकर्ता से संबंध का संक्षिप्त विवरण शामिल हो। यद्यपि दहेज प्रथा उन्मूलन हेतु अनेक नियम व कानून लागू किए गए, तथापि व्यावहारिक रूप में इनका नियमन संभव नहीं हो पाया। वर्ष 1997 की एक अनुमानित रिपोर्ट के अनुसार प्रतिवर्ष 5,000 महिलाएं दहेज हत्या का शिकार होती हैं। 2019 में महिलाओं के विरुद्ध कुल 4,05,861 आपराधिक मामलों में 30 प्रतिशत अपराध ससुरालपक्ष द्वारा किए गए।

'दुल्हन ही दहेज है'' के आदर्श नारे को झुठलाती लोमहर्षक घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि यथार्थ में लोलुप मानसिकता के लिए दहेज ही दुल्हन' है। कहीं अयोग्य वर-वरण में अर्थाभाव कारण रहा तो कहीं योग्यता महंगे तराजू में तुल गई। इस कुप्रथा में वे अभिभावक बराबर के भागीदार हैं जो बेटी के सुखद भविष्य की परिकल्पना में यह भूल जाते हैं कि विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें मोल-तोल की कोई गुंजाइश नहीं। योग्यता, स्वभाव, संस्कार तथा पारस्परिक सामंजस्य ही सुखद दाम्पत्य का आधार है, न कि भौतिकता। बेटियों के लिए दहेज का जुगाड़ करने की अपेक्षा उसे शिक्षित, संस्कारी, सक्षम व आत्मनिर्भर बनाएं ताकि वह सामाजिक कुरीतियों का डटकर विरोध कर सके। भूलकर भी उसे दहेज की ज्वाला में न झोंकें, क्या मालूम उसका अस्तित्व ही जलकर राख हो जाए। समुचित पालन-पोषण के माध्यम से बेटों को सुयोग्य, स्वाभिमानी व स्वाबलंबी बनाएं; बिकाऊ वस्तु अथवा भिखारी नहीं। कन्या के गुणों को अधिमान दें, न स्वयं व्यापारी बनें और न ही अपनी संतान को इस निंदनीय सौदेबाजी में संलिप्त होने दें।

दहेज रूपी कोढ़ का निराकरण समाज, व्यवस्था व सरकारों के समग्र योगदान से ही संभव है। कानून का कड़ाई से पालन हो, आरोपियों को दंड मिले एवं किसी भी स्तर पर कानून का दुरुपयोग न होने पाए। इसके लिए व्यवस्था की कर्तव्यनिष्ठा जितनी महत्वपूर्ण है, उससे भी कहीं आवश्यक है युवाओं का दृढ़संकल्प होना।

टीएमसी

नई जमीन तलाशने की कवायद

शंकर जालान

पश्चिम बंगाल में लगातार तीसरी दफा सत्ता हासिल करने के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को करारी शिकस्त देने के बाद से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हौसले बुलंद हैं। भाजपामुक्त भारत के नारे के साथ बंगाल के बाहर निकली ममता अब ऐसा कुछ कह और कर रही हैं, जिससे लगता है कि ममता केवल भाजपा नहींग कांग्रेसमुक्त भारत चाहती हैं।

वैसे तो 19 दिसम्बर को कोलकाता नगर निगम और अगले साल अप्रैल तक सूबे की एक सौ से ज्यादा शेष नगर पालिकाओं के चुनाव प्रस्तावित हैंग लेकिन इन चुनावों से इतर ममता की निगाहें इन दिनों दिल्ली (केंद्र) की उस सत्ता पर है, जिसके लिए 2024 को चुनाव होंगे। ममता न केवल आगामी लोक सभा चुनाव में भाजपा को हराने का दावा कर रही हैं, बल्कि इस दावे को अमलीजामा पहनाने के लिए अन्य राज्यों का दौरा कर तृणमूल कांग्रेस के विस्तार के साथ-साथ प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मूल यानी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आड़े हाथों लेने में भी लगी हैं। इसी साल दो मई के आए बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे के बाद से अब तक ममता उत्तर प्रदेश, गोवा, दिल्ली, असम और मुंबई (हाल में) समेत कई राज्यों का दौरा और वहां के क्षेत्रीय दलों के प्रमुखों से मुलाकात कर यह मंशा जाहिर कर चुकी हैं कि अगर अगले आम चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करना व कांग्रेस को और नीचे गिराना हैग तो उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर तृणमूल कांग्रेसी की मजबूती के लिए काम करना होगा। ममता की इस बात का कई क्षेत्रीय दल खुले तौर पर समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ

दल मौन स्वीकृति की भूमिका में नजर आ रहे हैं। ममता ने अब तक जिस-जिस राज्य का दौरा किया हैग वहां से कुछ न कुछ 'खेला' करके ही लौटी हैंग लेकिन मुंबई दौरे के दौरान ममता ने क्या खोया या क्या पायाग इसका सही आकलन करना फिलहाल जल्दबाजी होगी। अपने सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी के साथ मायानगरी पहुंचीं ममता इस वजह से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से नहीं मिल सकीं कि उद्धव अस्वस्थ थे, हालांकि भुआ-भतीजे ने उद्धव के पुत्र आदित्य ठाकरे से अवश्य मुलाकात की और साथ में सिद्धि विनायक के दर्शन भी किए। इसके अगले दिन ममता अभिषेक के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मुखिया शरद पवार से मिलने पहुंचीं, लेकिन इन दोनों मुलाकातों से ममता के हाथ क्या लगा? इसका उत्तर फिलहाल भविष्य के गर्भ में छिपा है।

फिलहाल, मोटे तौर पर इतना ही कहा जा सकता है कि गोवा और दिल्ली दौरे के दौरान ममता ने भाजपा और कांग्रेस को जिस तरह करारा झटका दिया था। मायानगरी में ममता वैसा कुछ 'खेला' नहीं कर पाई। मालूम हो कि अग्नि कन्या के नाम से मशहूर ममता बनर्जी तृणमूल का राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने में लगी हैं, जिसके मद्देनजर वो लगातार अलग-अलग राज्यों का दौरा कर रही हैं।

बताते चलें कि विभिन्न मांगों को लेकर पिछले दिनों ममता बनर्जी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। ममता की ठाकरे और पवार के संग मुलाकात ऐसे वक्त में हुई, जब तृणमूल और कांग्रेस का झगड़ा जगजाहिर हो चुका है। ऐसे में ममता ने यूपीए के अस्तित्व और राहुल गांधी का नाम लिए बगैर विदेश यात्रा का जिक्र कर कांग्रेसी खेमे में खलबली मचा दी। मायानगरी में ममता ठाकरे और पवार को करीब ला पाई हों या नहीं, लेकिन कांग्रेस को अपने से और अधिक दूर अवश्य कर दिया है।

मालूम हो कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व शिवसेना महा विकास अघाड़ी (एसवीए) गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी हैं यानी ममता ने एमवीए के तीन साथियों में से दो से मुलाकात की और एक से नहीं। इससे पहले जब ममता दिल्ली दौरे पर गई थीं तो उनकी मौजूदगी में कांग्रेस के कीतत आजाद से लेकर कई दिगग्ज नेता तृणमूल में शामिल हुए थे और वहां भी ममता ने सोनिया गांधी से दूरी बनाकर रखी थी। ममता का मायानगरी दौरा इसलिए भी महद्मवपूर्ण माना जा रहा है कि तृणमूल 2024 के आम चुनावों से पहले भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयासों के तहत खुद का दायरा राष्ट्रीय करना चाहती हैग और कांग्रेस को दरकिनार कर तृणमूल कांग्रेस विपक्षी दलों के खेमे का नेतृत्व करना चाहती है। यही वजह है कि तृणमूल कांग्रेस बंगाल से बाहर निकल कर अब अन्य राज्यों में भी अपनी स्थिति मजबूत करने में जुट गई है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

वस्त्रों को जरूरतमंद व गरीबों को बांटने का अभियान शुरू

संवाददाता

लखनऊ। गोमती नगर जनकल्याण महा समिति के द्वारा स्थापित कपड़ा बैंक में आज सभी उप खंडों के द्वारा प्रदान किए गए वस्त्रों को जरूरतमंद व गरीबों को बांटने का अभियान शुरू किया जा रहा है। गोमती नगर जनकल्याण महा समिति के महासचिव डॉ राघवेंद्र शुक्ला ने सभी से निवेदन है कि इस पुण्य कार्य में रात को 9.00 से वितरण हेतु महा समिति के कार्यालय पहुंचने का कष्ट करें।

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने पुलिस अधिकारियों से अन्य फरार लुटेरों को शीघ्र गिरफ्तार करने तथा लूटा गया माल बरामद करने की मांग की

आर एल पाण्डेय

लखनऊ। तिरुपति ज्वेलर्स लूट कांड एवं गोली कांड के दो लुटेरों को पकड़े जाने पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने संतोष जताया तथा पुलिस अधिकारियों एवं टीम की प्रशंसा करते हुए फरार दो लुटेरों को शीघ्र पकड़ने एवं लूटा गया पूरा माल शीघ्र बरामद करने की मांग की अलीगंज के सर्राफा व्यापारी तिरुपति ज्वेलर्स के वहां पिछले सप्ताह हुई लूट एवं गोलीकांड के दो लुटेरों को पकड़े जाने पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने संतोष जताया संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के साथ भुक्तभोगी व्यापारी निखिल अग्रवाल ,ट्रांस गोमती उपाध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश अवस्थी, कपूरथला अध्यक्ष राजवीर सिंह, उपाध्यक्ष राजीव रस्तोगी, उपाध्यक्ष आदित्य अग्रवाल ज्वाइंट कमिश्नर श्री नीलाब्जा चौधरी एवं ए डी सी पी सुश्री प्राची सिंह से उनके कार्यालय में मिले व्यापारियों ने खुलासे के लिए पुलिस अधिकारियों एवं खुलासे में शामिल टीम की प्रशंसा की एवं बधाई दी तथा साथ ही व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने पुलिस अधिकारियों से अन्य फरार लुटेरों को शीघ्र गिरफ्तार करने तथा लूटा गया माल बरामद करने की मांग की।

माल पुलिस ने अवैध देशी कच्ची शराब के साथ दो व्यक्ति को किया गिरफ्तार

संवाददाता

माल, लखनऊ। पुलिस अधीक्षक लखनऊ ग्रामीण ह्रदेश कुमार के आदेशानुसार क्षेत्राधिकारी मलिहाबाद योगेंद्र सिंह के निर्देशानुसार माल थाना प्रभारी रविंद्र कुमार के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत माल पुलिस टीम द्वारा उपनिरीक्षक रणवीर सिंह, अरविंद कुमार, हेड कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, उमेश कुमार, महिला कांस्टेबल रूबी बाजपेई व टीम ने सरवन पुत्र मैकूलाल उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम रामनगर तथा ओली पुत्र द्वारिका उम्र 58 वर्ष निवासी ग्राम बाजार गांव को प्लास्टिक की पिपरिया में पांच लीटर व दस लीटर कुल पंद्रह लीटर अवैध देशी कच्ची शराब पुलिस ने बरामद कर गिरफ्तार किया।

वहीं माल थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर कार्यवाही की गई हैं।

गुरुद्वारा नाका वैक्सीनेशन सेंटर पर सैकड़ों लोगों को लगी वैक्सीन

संवाददाता

लखनऊ। ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिंडोला के वैक्सीनेशन सेंटर में इस समय वैक्सीन लगवाने वालों की संख्या बढ़ गई है कोरोना के नए वेरिएंट उपबतवूद की चर्चा के बीच लोगों में दोबारा जागरूकता आई है और जिन लोगों ने अभी तक अपना वैक्सीनेशन कंप्लीट नहीं किया वह लोग वैक्सीन लगवाने बड़ी संख्या में गुरुद्वारा साहब आ रहे हैं यह जानकारी कमेटी के प्रवक्ता सतपाल सिंह मीत ने दी। लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बग्गा ने बताया कि गुरुद्वारा साहब

में इस समय बड़ी संख्या में सेकंड डोज लगवाने वाले आ रहे हैं परंतु अभी बहुत से ऐसे लोग भी वैक्सीन लगवाने आते हैं जिन्होंने अपना पहला डोज लगवाया है कोरोना के नए वेरिएंट ने लोगों में थोड़ा डर पैदा किया है इसलिए जिन लोगों ने अभी तक लापरवाही की थी वह लोग वैक्सीन लगवाने के लिए आ रहे हैं गुरुद्वारा साहब में कोवैक्सीन और कोवीशिल्ड दोनों के डोज लगाए जा रहे हैं।

वैक्सीनेशन सेंटर में व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए कमेटी के पदाधिकारी हरविंदर पाल सिंह नीता कुलदीप सिंह सलूजा और सेवादार रंजीत सिंह और दीपक सिंह लगातार सेवारत हैं।

प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का हुआ आयोजन

लखनऊ। बख्शी का तालाब में प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन बख्शी का तालाब विकासखंड के किसान बीज भंडार पर आयोजित किया गया बता दें कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन लखनऊ किसान मोर्चा के सभी पदाधिकारियों ने बैठक की गई जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण किसानों के लिए मोदी सरकार बेहतर से बेहतर के बारे में किसान मोर्चा के पदाधिकारी को बताया सरकार किसानों के लिए काम कर रही है।

हनुमत् कृपा ट्रस्ट की पहली बैठक लखनऊ में 27 को

संवाददाता

लखनऊ। हनुमत् कृपा ट्रस्ट की पहली सार्वजनिक बैठक ट्रस्ट के संरक्षक डॉ. श्याम लाल कपूर के निराला नगर (लखनऊ) स्थित घर पर आगामी 27 दिसम्बर दिन सोमवार को सायं साढ़े चार बजे आहूत की गयी है. यह जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश दीक्षित ने दी.श्री दीक्षित ने बताया कि बीती तीन नवंबर हनुमान जयंती को रजिस्ट्रार कार्यालय में हनुमत् कृपा ट्रस्ट का पंजीकरण कराया गया था. ट्रस्ट के तत्वावधान में पूज्य बाबा नीब करौरी महाराज के जन्मोत्सव पर हनुमान सेतु मंदिर के सामने गरीब – असहाय लोगों को ठंड से बचने के लिए कंबल वितरित किये गये थे. अब

श्रद्धालु जनों के सहयोग से नये साल के पहले दिन एक जनवरी को 251 गरीबों को पूड़ी – सब्जी के पैकेट बाँटे जाने का संकल्प लिया गया है.ट्रस्ट के सचिव पं. अनुराग मिश्र ने बताया कि ट्रस्ट की पहली बैठक में आध्यात्मिक मासिक पत्रिका हनुमत् कृपा के नियमित प्रकाशन, सदस्य संख्या बढ़ाने व सभी सदस्यों को समय से पत्रिका भेजने के लिए कारगर कदम उठाने पर विचार किया जाएगा. इसके अलावा, ट्रस्ट के अधीन उप समितियों के गठन, समाज सेवा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर राय – मशविरा तथा मंदिर व सार्वजनिक स्थल पर कथा भगवत् का आयोजन कराने पर भी बैठक में विचार – विमर्श किया जाएगा. श्री मिश्र ने बताया कि बैठक में ट्रस्ट से जुड़े सर्वश्री शरद कपूर, कमलेश बाजपेयी, सियाराम पाण्डेय श् शांत , एस. डी. दीक्षित, नीलेश मिश्र, शिवा कांत शुक्ल, नीलम दीक्षित, विवेक बाजपेयी, डॉ. राकेश मिश्र, आशुतोष मेहरोत्रा, रमेश शर्मा, आचार्य रामू लाल पाण्डेय, आशीष दीक्षित आदि भक्त जन शामिल रहेंगे.

नगरपालिका बहराइच की ब्रांड एंबेसडर बनी डॉ मुखर्जी

बहराइच। स्वच्छ भारत मिशन सर्वेक्षण 2022 को सफल बनाने के लिए नगर पालिका परिषद ने ब्रांड एंबेसडर नामित किया हैं। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन का सर्वेक्षण

2022 होना है इसमें यह देखा जाएगा कि किस नगर पालिका या नगर निगम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत बेहतर कार्य किया है उसके लिए सरकार ने इनाम की भी घोषणा कर रखी है सरकार की मंशानुरूप नगर पालिका परिषद बहराइच की अध्यक्षा रुबीना रेहान खाँ ने भी कमर कसी है। नगर पालिका द्वारा महिला डिग्री कॉलेज बहराइच की प्राचार्या डॉ प्रिया मुखर्जी को ब्रांड एंबेसडर स्वच्छ भारत मिशन 2022 बनाया गया है इसी के साथ अन्य लोगो को भी ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। अधिशासी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि डॉ मुखर्जी प्राचार्या को ब्रांड एंबेसडर स्वच्छ भारत मिशन 2022 नियुक्त सम्बन्धी जानकारी पत्र व मिलकर दी गई है।

उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील करते हुए कहा है कि वह नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

डनमस डिजायर की जानिब से भारत हस्तशिल्प महोत्सव 2021 में रॉयल फैमिली के नवाबजादा सैय्यद मासूम रजा,एडवोकेट को अवार्ड से सरफराज किया गया

लखनऊ। कांशीराम समृति उपवन, आशियाना, लखनऊ में चलने वाले भारत हस्त शिल्प महोत्सव 2021 में डनमस डिजायर की जानिब से रॉयल फै मिली के नवाबजादा सैय्यद मासूम रजा, एडवोकेट को उनके उत्कृष्ट कार्यों, समाज सेवा और अवध की विरासत को बढ़ावा देने के लिए अवार्ड से सरफराज किया गया। सल्तनत मंजिल, हामिद रोड, निकट सिटी स्टेशन, लखनऊ के नवाबजादा सय्यद मासूम रजा, ऐडवोकेट को यह अवार्ड डन्मस डिजायर की डायरेक्टर शालिनी श्रीवास्तव के हाथों नवाजा गया। इसमें कोइ शक नहीं की यह हमेशा से लखनऊ की तहजीब

व रीति रिवाजों को संजोए रखने के लिए कार्य करते रहते हैं। नवाबजादा रजा और उनकी पत्नी बेगम नसीमा रजा गरीब बच्चों के उत्थान के लिए बराबर प्रयासरत रहते हैं। उनका परिवार एक स्कूल चलाता है जिसमे 25 फीसद बच्चों को मुफ्त में शिक्षा दी जाती है। नवाबजादा सैय्यद मासूम रजा ने कोरोना काल में लोगों की बेहद मदद की थी, जो वाकई एक सराहनीय कदम था। अनेक संगठनों एवम सोसायटियों द्वारा भी नवाबजादा रजा को कोरोना योद्धा.

पत्रकारों के सम्मान में समाजवादी मैदान में

कानपुर। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी ने जिस प्रकार पत्रकार से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कैमरा बंद करना व धमकी देना निंदनीय हैं । देश का चौथा स्तंभ पत्रकार बंधुओं से ऐसा व्यवहार एक गृह मंत्री द्वारा करना उनके पद की गरिमा के खिलाफ है आज समाजवादी पार्टी कानपुर के कार्यकर्ताओं ने अजय मिश्रा का टेनी का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया साथ ही मांग की गई कि तुरंत उसको को पद मुक्त किया जाए मेरा फैसला। जिस प्रकार उसके पुत्र के खिलाफ लखीमपुर खीरी हत्याकांड में एसआईटी ने धाराएं लगवाई है गृहमंत्री के रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग कर सकते हैं तुरंत गृह मंत्री पद से हटा

देना चाहिए प्रदर्शन में मुख्य रूप से उज्मा इकबाल सोलंकी हाजी हसन सोलंकी कंवलजीत सिंह मानूं सिंपल सिंह, आदि लोग मौजूद रहे!

भाजपा जन विश्वास यात्रा को दिनेश तिवारी के सौजन्य में बैठक

संवाददाता

हरदोई। भारतीय जनता पार्टी हरदोई के जिला कार्यालय पर जन विश्वास यात्रा के आगमन को लेकर हुई बैठक। बैठक में मुख्य अतिथि एव अवध क्षेत्र यात्रा के संयोजक दिनेश तिवारी सम्मिलित हुए। बैठक में जिला उपाध्यक्ष एवं जन विश्वास यात्रा के जिला संयोजक कर्मवीर सिंह ने बताया कि जनविश्वास यात्रा का आगमन 28 दिसंबर को कोथावा पहुंचेगी। कोथावा से संडीला बाजार, बघौली चौराहा और अंत में लखनऊ चुंगी पहुंचेगी। 29 दिसंबर को यात्रा प्रात:काल पिहानी तिराहा से शुरू होकर शाहाबाद से सवायजपुर होते हुए मल्लावा पहुंचेगी। 28 दिसंबर को जनविश्वास यात्रा की विशाल जन विश्वास रैली आयोजित होगी जिसमें प्रदेश से लेकर जिले के पदाधिकारीगण मौजूद रहेंगे। बैठक में मुख्य अतिथि दिनेश तिवारी ने कहा कि पार्टी का काम एक एक बूथ कार्यकर्ताओ के कंधो पर टिका है। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सभी विधानसभाओं में जन विश्वास यात्रा का कार्यक्रम होगा, जिसमे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लेकर जनता से जुड़े हितकारी फैसलों के बारे में चर्चा होगी। इस यात्रा का नाम जन विश्वास यात्रा इसलिए रखी गई क्योंकि भाजपा सरकार प्रदेश की जनता के विश्वास पर खरी उतरी। लव जेहाद को खत्म करना रहा हो, या माफिया राज को जड़ से उखाड़ना, पेयजल योजना को गांव गांव तक पहुंचाना रहा हो या स्वच्छता को लेकर हर व्यक्ति में जागरूकता लाना, कोरोना काल में जरूरतमंद और गरीब लोगो की

स्वास्थ्य से लेकर राशन तक की व्यवस्था का ध्यान कार्यकर्ताओ ने रखा। मुख्य अतिथि दिनेश तिवारी ने बताया कि यात्रा को सफल बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों से लेकर मंडल और बूथ कार्यकर्ताओ को अपने अपने दायित्वों को बखूबी निभाना है। यात्रा में जनभागीदारी से सभी लोग पार्टी और सरकार की उपलब्धियों और पूर्व में रही सरकारों के कारनामों का बखान किया जायेगा। जिससे कि जनता समझ सके कि कौन सी सरकार जन अपेक्षाओं पर खरी उतरी। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि जनविश्वास यात्रा का मकसद प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच प्रसारित करना। प्रदेश सरकार ने जन जन की समस्याओं को दूर करने की कोशिश की। महिलाओं और कन्याओं को लेकर प्रदेश में कानून का राज कायम किया ताकि बहन बेटियां बिना किसी डर के आजादी से चल सके। जनता को यह बात याद दिलाना है कि यही सरकार है जिसने राम मंदिर का संकल्प लिया और आज उसे पूरा करके दिखाया। आज उन लोगो का मुंह बंद हो गया है जो भाजपा के लिए कहते थे कि मंदिर वही बनाएंगे पर तारीख नही बताएंगे। सरकार की बिजली से लेकर गैस, मुफ्त राशन वितरण, कोरोना वैक्सीन, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर निर्माण, धारा 370 हो, सड़को का जाल बिछाने का काम किया हो, इतना कार्य पिछली 10 सालों की सरकार में नही हुआ जितना पिछले साढ़े चार सालों में हो गया। जनता सब जानती है कि कौन सी सरकार उनकी अपेक्षाओं पर उतरी है। बच्चा बच्चा आज भाजपा सरकार की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं से खुश है। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्र विद्याराम वर्मा विधानसभा प्रभारी गण जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री एसपी मौर्य संदीप सिंह संजय सिंह जिला महामंत्री अजीत सिंह बब्बन अनुराग मिश्र इंजीनियर ओम वर्मा सत्येंद्र राजपूत जिला मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला संदीप अवस्थी जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक सह जिला मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता विशुन दयाल शुक्ला उमेश अग्रवाल अखिलेश पाठक सुशील गुप्ता प्रदीप जायसवाल पारुल दीक्षित सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न मिश्रा सभी मोर्चा के जिला अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष गण मौजूद रहे।

चित्रकूट में महाकुंभ में जुटे हजारों संत और लाखों हिन्दू

चित्रकूट । हिंदुओं के एकता से ही विश्व मे मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। आज चित्रकूट में आयोजित हिन्दू एकता महाकुंभ के विशाल मंच ने अनेक महत्वपूर्ण संदेश विश्व को दिया है। इसी मंच में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत ने संजय राय शेरपुरिया की पुस्तक हिन्दू धर्म की धरोहर , भारतीय संस्कृति का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर ससंस्कृति पर्व की प्रतियां सरसंघ चालक मोहन भागवत जी को भेंट की गई। कानपुर बुंदेलखंड के प्रांतप्त प्रचारक सश्रीराम जी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इसी समारोह में वात्सल्य मूर्ति साध्वी ऋतंभरा जी ने संस्कृति पर्व के गीता महोत्सव अंक का लोकार्पण भी किया।

संजय राय शेरपुरिया की पुस्तक के लोकार्पण के बाद संघ प्रमुख ने कहा कि सनातन हिन्दू धर्म क्या है और किस प्रकार से यह भारतीय संस्कृति की अमूल्य निधि के रूप में निरंतर क्रियाशील है, यही तथ्य इस पुस्तक के आधार तत्व हैं।यज्ञ, हवन, शंख, पद्म, गाय, त्रिशूल, मंदिर, देवस्थान जैसे शब्द सनातन हिन्दू वैदिक संस्कृति में ही हैं। ये केवल शब्द ही नहीं हैं बल्कि इन शब्दों के उच्चारण में ही ऐसा ध्वनित होता है कि जीवन और जीवन का रहस्य क्या है। हमारे देवी, देवता और धार्मिक प्रतीक क्या हैं। कैसे हैं। कितने महत्वपूर्ण हैं। क्यो हैं। स्वाभाविक है कि जिस प्रकार से समाज बदल रहा है और विश्व पटल पर अनेकानेक उपासना पद्धतियां जन्म ले रही हैं, ऐसे परिवेश में किसी को भी यदि हिन्दू संस्कृति को जानना और समझना है तो इस पुस्तक को अवश्य पढ़ना चाहिए। जिस सलीके से इस पुस्तक में सनातन प्रतीकों को माला की मोती के रूप में प्रस्तुत किया गया है, वह अद्भुत है।

भगवान श्रीराम की संकल्पभूमि

○संघ प्रमुख ने किया हिदुओं में एकता का आह्वान

○हिदुओं को हिमालय बनना होगा: स्वामी रामभद्राचार्य

चित्रकूट में हिन्दू एकता महाकुंभ आज अत्यंत उल्लास और नई ऊर्जा के साथ हजारों संतों और लाखों हिन्दू समुदाय की विराट उपस्थिति में पूरी भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस आयोजन के संयोजक तुलसी पीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास और संरक्षक धर्मचक्रवर्ती तुलसीपीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य जी थे। आज इस विराट मंच से हिंदुत्व के मामले में विश्व को अनेक संदेश दिए गए।

तुलसी पीठाधीश्वर, पद्मविभूषण, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य के संरक्षण में आयोजित इस महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत जी इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि थे। इस आयोजन में श्री श्री रविशंकर, साध्वी ऋतंभरा, स्वामी चिदानंद मुनि, रमेश भाई ओझा, रामविलास दास वेदांती सहित भारत के लगभग सभी सनातन वैदिक हिदू परंपरा के संत और मनीषी हिस्सा ले रहे थे।

यह आयोजन ऐसे समय मे हो रहा है जब देश और विश्व मे हिन्दू संस्कृति के विरूद्ध विभिन्न प्रकार के षड्यंत्र किये जा रहे हैं। कश्मीर में धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या जी मे भव्य श्रीराममंदिर के निर्माण, काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण, मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण जनस्थली के उद्धार के साथ अनेक उल्लेखनीय कार्य आगे बढ़ चुके हैं। हिंदुओ की एकता को तोड़ने के लिए जाति, सम्प्रदाय और पंथों के विभाजक षड्यंत्र किये जा रहे हैं। ऐसे समय मे यह आयोजन कई मायनों में महत्वपूर्ण है। विश्व को हिंदुत्व के विराट स्वरूप से परिचित कराने का यह प्रयास है।

इस आयोजन में यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि समग्र हिंदुत्व के सभी प्रतिनिधि इसमे शामिल होकर एक मंच से हिन्दू एकता का संदेश देकर सामाजिक एकता को मजबूती प्रदान करें। इस आयोजन में संतो के अलावा देश के सामाजिक सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यापक प्रतिनिधित्व की भी कोशिश हुई।

बड़े हुए मंडी शुल्क और एक जनवरी से बढ़ने वाले जीएसटी के विरोध में राजधानी लखनऊ में मंत्री और पूरे प्रदेश में जिलाधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री को भेजे गए ज्ञापन.

बढ़ा हुआ मंडी शुल्क वापस ले : संदीप बंसल

लखनऊ । अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने आज पूरे प्रदेश में जिलाधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री जी को ज्ञापन भेजें। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को मंडी परिषद द्वारा 8 जून 2020 को समाप्त किए गए मंडी के बाहर बेचे जाने वाले सामान पर लिए जाने वाले मंडी शुल्क को पुन: लगाए जाने का आदेश वापस लेना होगा पूरे प्रदेश का व्यापारी इस आदेश से सहमत नहीं है इसकी वजह से व्यापारी का उत्पीड़न बढ़ेगा इंस्पेक्टर राज बढ़ेगा उन्होंने कहा कि प्रदेश के अधिकांश जनपदों में जिलाधिकारियों के माध्यम से मंडी शुल्क की वापसी के लिए मुख्यमंत्री एवं 1 जनवरी से कपड़े, जूते, ईट भट्टे और सर्राफे पर बढ़ने वाले जीएसटी को वापस लिए जाने की मांग का ज्ञापन प्रधानमंत्री को भेजा गया।

संदीप बंसल ने बताया कि राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री बृजेश पाठक को संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी एव नगर महामंत्री सुरेश छाबलानी,उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आकाश गौतम, लखनऊ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरीश मालानी,पंडित अनुज गौतम, छावनी के प्रभारी आदर्श अग्रवाल के नेतृत्व में कानपुर में प्रदेश मंत्री जसवीर दीवान महामंत्री अतुल द्विवेदी युवा प्रदेश मंत्री राहुल साहू गोंडा में जगदीश रायतानी लखीमपुर में धर्मचंद जैन महाराजगंज में अनिल गुप्ता, अजयराज कसौधन

सीतापुर में भगवती गुप्ता गाजियाबाद में संदीप बंसल संतकबीर नगर में अमित जैन श्रवण अग्रहरी के नेतृत्व में ज्ञापन दिए गए। बंसल ने कहा कि विधानसभा के सत्र के कारण विधायकों को 18 और 19 दिसंबर को सभी जनपदों में ज्ञापन दिए जाएंगे और मंडी शुल्क तथा बढ़े हुए जीएसटी को वापस लिए जाने की मांग की जाएगी।

सी.एम.एस. छात्रा अंशिका वाजपेयी इण्डियन स्टेटिस्टिकल सर्विस में चयनित

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस की छात्रा अंशिका वाजपेयी ने इण्डियन स्टेटिस्टिकल सर्विस (आई.एस.एस.) परीक्षा में सफलता अर्जित की है। यह परीक्षा यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यू.पी.एस.सी.) द्वारा आयोजित हुई, जिसके परिणाम अभी हाल ही में घोषित किये गये हैं। आई.एस.एस. भारत सरकार की सेन्ट्रल सिविल सर्विसेज के अन्तर्गत आने वाली सिविल सर्विस है, जिसमें यू.पी.एस.सी. परीक्षा के माध्यम से पदों की भर्ती की जाती है। इण्डियन स्टेटिस्टिकल सर्विस की देश भर में मात्र 11 सीटें हैं, ऐसे में इस अत्यन्त प्रतिस्पर्धी परीक्षा में चयन हेतु अत्यन्त उच्च स्तरीय प्रतिभा, ज्ञान व मेधात्व की आवश्यकता होती है। अंशिका ने सी.एम.एस. कानपुर रोड कैम्पस में वर्ष 2008 में कक्षा-6 में एडमीशन लिया और वर्ष 2015 में 91.25

प्रतिशत अंको के साथ 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके उपरान्ह इन्होंने गणित, स्टेटिस्टिक्स एवं कम्प्यूटर में स्नातक एवं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी से स्टेटिस्टिक्स में परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। अपनी सफलता के बारे में बताते हुए अंशिका ने कहा कि स्कूल के दिनों से ही गणित मेरा प्रिय विषय रहा है परन्तु उच्चशिक्षा के लिए मैं लखनऊ से बाहर नहीं जाना चाहती है, अत: मैने बीटेक के बजाय बी.एस.सी. की पढ़ाई की। अंशिका ने कहा कि मैं सेल्फ-स्टडी पर भरोसा करती हूँ, इसीलिए मैंने कोचिंग इत्यादि का सहारा लेने के बजाय कड़ी मेहनत से आई.एस.एस. की तैयारी की।

अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश से होने के कारण मैं अंग्रेजी में कमजोर थी परन्तु मेरे शिक्षकों ने मुझे सदैव स्वयं पर भरोसा रखना सिखाया और अन्तत: मुझमें आत्मविश्वास का विकास हुआ। अंशिका की यह सफलता इस मायने में बहुत महत्वपूर्ण है कि उन्होंने कठिन संघर्षो व दुष्वारियों को पीछे छोड़ते हुए अपना लक्ष्य हासिल किया है। अंशिका की माताजी वर्ष 2020 में एक दुर्घटना में दिवंगत हो गई जबकि कोविड लहर के दौरान उसके पिताजी भी नहीं रहे।

उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया गया

कानपुर। उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड उत्तर प्रदेश सरकार के अध्यक्ष रविकांत गर्ग का जन्मदिन कानपुर महानगर अध्यक्ष गुरजिंदर सिंह के नेतृत्व केक

काटकर एवं राहगीरों को मिष्ठान वितरण कर मनाया गया! जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में ज्ञानेंद्र मिश्र प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री उपस्थित हुए! गुरु जिंदर सिंह ने बताया कि आज भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का बड़ा दिन है हमारे प्रिय नेता रविकांत गर्ग का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया व उनकी लंबी उम्र की दुआएं की गई और हमारे व्यापारी नेता कभी भी व्यापारियों की हित की लड़ाई में पीछे नहीं हटे हालात का सामना किया संघर्ष में व्यापारियों को जीत दिलाई! इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष सरदार गुरजिंदर सिंह महामंत्री महेश सोनी, कोषाध्यक्ष विजय गुप्ता गोरे, संगठन महामंत्री संजय मिश्रा उपाध्यक्ष अनुरंजन त्रिपाठी, उपाध्य अतहरुद्दीन, हर्ष मोहन सिंह, ओसाफ उर्फ गुड्डू चौधरी ओंकार नाथ मल्होत्रा, कुंदन शर्मा, युवा महामंत्री मनोज विश्वकर्मा, शिव कुमार गुप्ता शिव कुमार गुप्ता, अनुपम गुप्ता, विजेंद्र गुप्ता, मनीष वसंदानी, आदि लोग उपस्थित रहे।

ईशा का इंस्टाग्राम अकाउंट हुआ हैक

अक्सर बॉलीवुड सेलेब्स के सोशल मीडिया अकाउंट हैक होने की खबरें सामने आती रहती है। अब बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल का इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक हो गया है। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए दी है।

ईशा देओल ने अपने हैक इंस्टाग्राम अकाउंट का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है जिसमें कॉपीराइट उल्लंघन का मैसेज दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही ईशा देओल ने अपने फैंस से अपील की है कि उनके अकाउंट से यदि कोई मैसेज आता है तो उसका रिएक्स ना दें। ईशा ने लिखा, आज सुबह मेरे आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट आईएमईशादेओल को हैक कर लिया गया, इसलिए अगर आपको मेरे अकाउंट से कोई संदेश आता है तो कृपया उसका जवाब नहीं दें। असुविधा के लिए खेद है। बता दें कि ईशा देओल अकेली ऐसी अभिनेत्री नहीं हैं। कुछ दिन पहले अभिनेत्री अमीषा पटेल का भी इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर लिया गया था। इसके अलावा आशा भोसले, उर्मिला मातोंडकर, सुजैन खान, विक्रांत मैसी और फराह खान का सोशल मीडिया अकाउंट भी हैक हो चुका है।

बॉलीवुड की हाई प्रोफाइल पार्टी से हुआ कोरोना विस्फोट कई सेलेब्स संक्रमित

बॉलीवुड इंडस्ट्री पर एक बार फिर कोरोनावायरस का कहर टूट पड़ा है। बीते कुछ दिनों कई सेलेब्स इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। हाल में करीना कपूर और अमृता अरोरा के कोरोना पॉजिटिव होने की खबर सामने आई थी। इसके बाद संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर और सोहेल खान की पत्नी सीमा खान भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। फिल्म इंडस्ट्री में कोरोना बम फूटने के बाद फिल्ममेकर करण जौहर सुर्खियों में आ गए हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी सेलेब्स करण जौहर की हाई प्रोफाइल पार्टी में कोरोना की चपेट में आए हैं। ऐसे में करण जौहर कोरोना महामारी के दौर में पार्टी आयोजित करने के कारण सवालों के घेरे में हैं। खबरों के अनुसार बीते दिनों करण जौहर ने एक पार्टी आयोजित की थी। इस पार्टी में इंडस्ट्री के कई लोग शामिल हुए थे। इस पार्टी में शामिल लोगों में सबसे पहले कोरोना संक्रमण की पहचान अभिनेता सोहैल खान की पत्नी सीमा खान में हुई। इसके बाद करीना कपूर, अमृता अरोरा और महीप कपूर भी कोरोना पॉजिटिव पाई गईं। बताया जा रहा है कि कई और सेलेब्स कोरोना पॉजिटिव हो सकते हैं। बॉलीवुड में कोरोना बम फूटने के बाद बीएमसी भी एक्शन में आ गया है। बीएमसी ने पार्टी में शामिल हुए लोगों की ट्रेसिंग शुरू कर दी है। करीना कपूर और अमृता अरोरा के संपर्क में आने वाले सभी लोगों से कोरोना कराने की अपील की है। बीएमसी ने करीना कपूर का घर भी सील कर दिया है। करीना और अमृता के सुपर स्प्रेडर होने की आशंका है, क्योंकि दोनों एक्ट्रेस पिछले कुछ दिनों में बॉलीवुड की कई पार्टियों में शामिल हुई थीं। बता दें कि पूरे महाराष्ट्र में इन दिनों कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रोन का खतरा बना हुआ है। महाराष्ट्र में इस वैरिएंट से देश में सबसे ज्यादा 17 लोग संक्रमित हुए हैं। इतना ही नहीं महाराष्ट्र में धारा 144 भी लगी हुई है, ऐसे में इन सेलेब्स की पार्टी कई सवाल खड़े कर रही है।

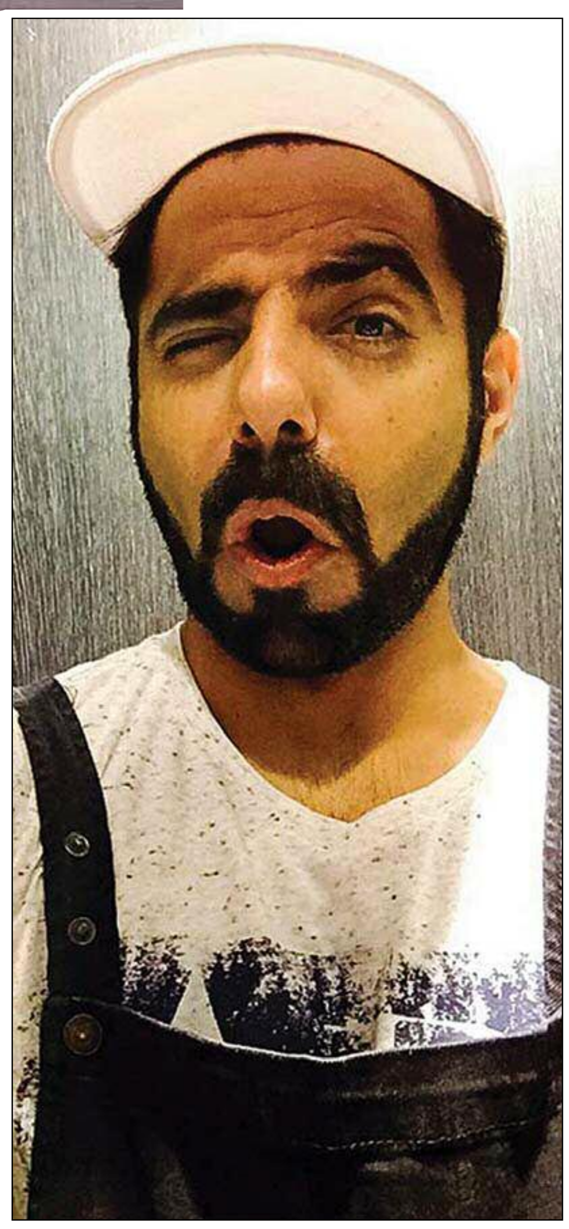

मुख्य भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करने का यह एक अच्छा समय है-अपारशक्ति खुराना

अपारशक्ति खुराना का कहना है कि उनके लिए यह मुख्य भूमिकाओं के अवसरों का पता लगाने का समय है। अभिनेता के लिए 2021 पेशेवर और व्यक्तिगत रूप से पूरा करने वाला वर्ष रहा है। अभिनेता ने इस साल सोशल कॉमेडी हेलमेट के साथ मुख्य भूमिका के रूप में अपनी शुरूआत की और सफल शो इश्क में कभी कभी के साथ रेडियो पर भी वापसी की। एक अभिनेता के रूप में अपने लिए आगे बढ़ने के बारे में बात करते हुए, अपारशक्ति ने कहा, मुझे लगता है कि यह मुख्य भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करने का एक अच्छा समय है, न कि केवल किसी भी चरित्र या भूमिका पर जो मेरे और मेरे दर्शकों के लिए बहुत फायदेमंद और संतोषजनक है। मैंने अपने रुख को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक अनुभव प्राप्त किया है। कई सामग्री प्रारूपों को जोड़ने के बाद, अभिनेता आने वाले वर्ष में विक्रमादित्य मोटवाने द्वारा अभिनीत स्टारडस्ट की रिलीज के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करेंगे। आने वाले वर्ष के लिए पूरी तरह से तैयार अभिनेता ने कहा, मैं अच्छा कंटेंट करना चाहता हूं और उन कहानियों का हिस्सा बनना चाहता हूं जो मुझे अपने अभिनय कौशल को एक नए अवतार में प्रदर्शित करने की अनुमति दें। इतना ही नहीं, मैं इसके लिए तत्पर हूं। गायन सहित मैं विभिन्न प्रेमों में अपने काम का विस्तार कर रहा हूं। अभिनेता वर्तमान में अपनी अगली परियोजना दोखा राउंड डी कॉर्नर की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो टी सीरीज द्वारा निर्मित है और इसमें आर माधवन, दर्शन कुमार हैं। यह खुशाली कुमार की पहली फिल्म है।

मैंने कभी भी बॉक्स-ऑफिस को ध्यान में रखकर स्क्रिप्ट नहीं चुनी : आयुष्मान

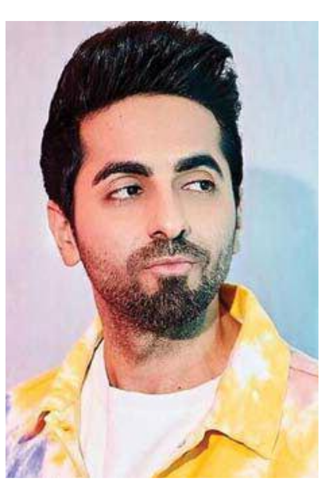

चंडीगढ़ करे आशिकी में एक ट्रांस-महिला के प्यार में पड़ने वाले बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना का कहना है कि उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता के बारे में सोचकर कभी कोई स्क्रिप्ट नहीं चुनी। वो कहते हैं, विक्की डोनर में अपनी शुरूआत के बाद से, मैंने ऐसी फिल्मों को चुना है जिन्हें सामाजिक दृष्टिकोण से अपरंपरागत या वर्जित माना गया है। मुझे लगता है कि ऐसी फिल्में भारत के लिए जरूरी हैं। चंडीगढ़ करे आशिकी मेरी फिल्मोग्राफी में एक ऐसी फिल्म है और मुझे इस पर बहुत गर्व है। उन्होंने चंडीगढ़ करे आशिकी के निर्देशक अभिषेक कपूर के साथ अपने काम के अनुभव को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे अभिषेक कपूर में एक रचनात्मक साथी मिला, जो यह भी मानते थे कि भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। यह इस बातचीत को प्रासंगिक और मुख्यधारा बनाने का हमारा प्रयास था और मुझे उम्मीद है कि फिल्म आने वाले दिनों में ऐसा ही करेगी। आयुष्मान आगे कहते हैं कि कोई भी स्क्रिप्ट चुनते वक्त वह कोई रिस्क लेने में कभी नहीं झिझकते और सिर्फ कहानी पर फोकस करते हैं। आयुष्मान कहते हैं कि वह किसी भी दिन अपनी फिल्मों के माध्यम से देशव्यापी बहस छेड़ने का विकल्प चुनते हैं, न कि यह सोचने के बजाय कि उनकी फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर कितना काम करेगी।

ब्लू एंड व्हाइट बॉडीकॉन ड्रेस में प्रियंका का बॉस लेडी लुक

नागिन जैसी चोटी लहराकर बनाया फैंस को दीवाना

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी मोस्ट अवेटड फिल्म द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी बीच एक्ट्रेस ने फिल्म की प्रमोशन भी शुरू कर दी है। बीते मंगलवार उन्होंने इंस्टाग्राम हैंडल पर प्रचार से अपने पहले लुक की तस्वीरें शेयर कीं, जो अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में, प्रियंका ब्लू एंड व्हाइट कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहने बॉस लेडी लुक में नजर आ रही है। इसके साथ उन्होंने लंबी चोटी की हुई है और दो लटों को चेहरे के इर्द गिर्द खुला रखा है,जो उनके लुक को देसी वाइब्स दे रही हैं। इस लुक को उन्होंने शार्प मेकअप और चंकी जूलरी से कंप्लीट किया है। बता दें, प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में हॉलीवुड फिल्म सिटाडेल की शूटिंग पूरी की है। इसके अलावा उनकी झोली में एक बॉलीवुड फिल्म भी है। वह जी ले जरा के टाइटल वाली फिल्म में फरहान अख्तर, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ अहम भूमिका में नजर आएंगी।

क्रिकेट मेरे करियर के लिए लकी चार्म रहा-ताहिर

कबीर खान निर्देशित फिल्म 83 की रिलीज के लिए तैयार ताहिर राज भसीन ने बताया कि क्रिकेट उनके करियर के लिए लकी चार्म रहा है। ताहिर ने फिल्म में महान भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर की भूमिका निभाई है। इसमें रणवीर सिंह भी भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव की भूमिका निभा रहे हैं। अभिनेता ने कहा, 83 स्क्रीन पर भारत के लिए एक सलामी बल्लेबाज की कहानी है। मैंने काई पो चे में जो पहली भूमिका निभाई वो सिर्फ 5 मिनट की थी। उसमें मैंने अली (बड़े) का किरदार निभाया, जो क्रिकेट खेलना सीखता है। उन्होंने आगे कहा, 83 में मैंने विनम्रता से पर्दे पर सुनील गावस्कर बनने की कोशिश की है। मुझे यह भूमिका निभाने में बहुत मजा आया। संयोग से, क्रिकेट मेरे करियर अहम रहा है। ताहिर न आगे कहा, मुझे अपनी बॉलीवुड की यात्रा पर बहुत गर्व है। जब आप फिल्मी परिवार से ताल्लुक नहीं रखते हैं या आपका कोई गॉडफादर नहीं है, तो आपके करियर का ग्राफ आपके हाथ में होता है। आप अपनी जिंदगी का रास्ता खुद चुनते हैं. अभिनेता को चुनौतियों से प्यार है। उन्होंने कहा, मैं लोगों को दिखाना चाहता हूं कि मैं चुनौतियों से नहीं डरता। यह सब काई पो चे से शुरू हुआ और अब मैं 83 जैसी शानदार फिल्म का हिस्सा हूं। मैं कभी एकांत में बेठकर अपने द्वारा निभाए गए किरदारों की सरहाना करता हूं। ताहिर 83 के अलावा, तापसी पन्नू के साथ लूप लपेटा में और ये काली काली आंखें में भी दिखाई देंगे, जिसमें वह श्वेता त्रिपाठी के साथ नजर आएंगे। 83 24 दिसंबर को रिलीज होने वाली है।

दंगल बहनों की फातिमा सान्या सैम मानेकशॉ की बायोपिक के कलाकारों में शामिल

दंगल सिस्टर्स

फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा, 1971 के युद्ध नायक, फील्ड मार्शल सैम होर्मसजी फ्रामजी जमशेदजी मानेकशॉ पर मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित बायोपिक में फिर से एक साथ नजर आएंगी। नेटफ्लिक्स फिल्म मीनाक्षी सुंदरेश्वर में अपनी भूमिका के लिए अच्छी समीक्षा पाने वाली सान्या ने सोमवार को मेघना गुलजार के जन्मदिन के मौके पर यह घोषणा की। विक्की कौशल सैम बहादुर में शीर्षक भूमिका को फिर से निभाएंगे, जो 2022 की रिलीज के लिए तय है। फिल्म का टीजर कवि-गीतकार (और निर्देशक के पिता) गुलजार के यादगार शब्दों के साथ शुरू होता है, जिसमें सैम बहादुर शीर्षक का संदर्भ दिया गया है- कई नामों से पुकारे गए, एक नाम से हमारे हुए। फील्ड मार्शल मानेकशॉ ने 1971 के युद्ध में भारत को थल सेनाध्यक्ष के रूप में जीत दिलाई थी। सान्या मल्होत्रा मानेकशॉ की पत्नी सिल्लू (नी बोडे) की भूमिका निभा रही है। फातिमा सना शेख इंदिरा गांधी के रूप में दिखाई देंगी। सैम बहादुर परिवार के विस्तार के बारे में बात करते हुए, मेघना गुलजार ने कहा, मेरे पास जश्न मनाने के लिए बहुत कुछ है। 1971 के युद्ध में हमारी सेना की ऐतिहासिक जीत के 50 साल पूरे हो रहे है, और यह बहुत रोमांचक है। सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख टीम में शामिल हो गई हैं। उनकी दोनों भूमिकाओं के लिए बहुत संवेदनशीलता, गरिमा और संयम की आवश्यकता है और मैं इन पात्रों को जीवंत करने वाली महिलाओं के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। विक्की ने कहा कि उनके चरित्र सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में से हैं जिनके बारे में हमने सुना है, और अब, दर्शकों को उनकी वीरता, प्रतिबद्धता की कहानी देखने को मिलेगी। मैं दो सबसे प्रतिभाशाली लोगों के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए उत्सुक हूं।

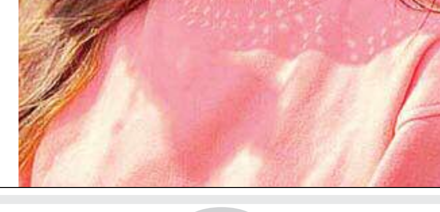

अनेरी को अनुपमा में अहम भूमिका के लिए चुना गया

अभिनेत्री अनेरी वजानी को लोकप्रिय शो अनुपमा में एक प्रमुख भूमिका निभाने के लिए अनुबंधित किया गया है। अभिनेत्री ने अपनी भूमिका और शो के बारे में बात की है। उनेरी शो में अनुज कपाड़िया की बहन की भूमिका निभाएंगी और उनकी एंट्री अनुपमा (रूपाली गांगुली) के जीवन में बहुत सारे मोड़ लेकर आएगी। वह शो का हिस्सा होने और उसी में अपनी रुचि पर टिप्पणी करती है। उन्होंने कहा कि मैंने शुरूआती एपिसोड देखे हैं। मैं नियमित रूप से शो का अनुसरण नहीं कर रही हूं लेकिन मेरे घर पर हर कोई अनुपमा देखना पसंद करता है। इसलिए मैंने अनुज की एंट्री से पहले इसे देखा है। असल में, मैंने इसे पूरी तरह से नहीं देखा है। इंस्टाग्राम पर सभी क्लिप देखे हैं। मेरा परिवार अनुपमा का बहुत बड़ा प्रशंसक है। अभिनेत्री आगे निर्माता राजन शाही के साथ और इस शो में अपने काम के अनुभव को लेकर कहती है कि हमने वास्तव में कभी एक साथ काम नहीं किया है, लेकिन हम हमेशा साथ काम करना चाहते थे। मुझे अभी भी कुछ साल पहले याद है, मुझे लगता है कि 7 साल पहले, मैंने ऑडिशन दिया था, उन्होंने एक शो के लिए मेरा मॉक शूट लिया था। लेकिन फिर बात नहीं बनी। अब यह आखिरकार हम साथ काम कर रहे है।

कीमती क्रॉकरीज इस तरह करें हैंडल

कई बार हम दिवाली या किसी खास ओकेजन पर महंगे और खूबसूरत क्रॉकरीज खरीदते हैं और शेल्फ में सजा कर रखते हैं। कई लोग इन्हें किचन में रखना पसंद करते हैं तो कई इसे अपने सिटिंग एरिया में शेल्फ पर डेकोरेटर की तरह प्रयोग करते हैं। आमतौर पर इनका प्रयोग किसी खास ओकेजन पर ही किया जाता है। आपको बता दें कि क्रोकरीज में मैकेनिकल स्ट्रेंथ और रेसिस्टेंस होती है लेकिन ये नाजुक भी बहुत होते हैं। यही वजह है कि इसे स्टोर करने में की गई लापरवाही से ये आसानी से टूट भी सकते हैं। ऐसे में इन्हें टूटने और क्रैक्स से बचाने के लिए अधिक केयर की जरूरत होती है। हम आज आपको बताते हैं कि आप किन टिप्स को अपनाकर आपकी क्रॉकरीज को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं।

इन पर भारी बर्तन न रखें

जब भी आप क्रॉकरीज को रखें तो हमेशा इस बात का विशेष ध्यान दें कि इन पर भारी बर्तन ना रखा जाए। ऐसे में हमेशा भारी और बड़ी प्लेस्ट को सबसे नीचे रखें और इनके ऊपर हल्के बर्तन रखें। यही नहीं अगर आप एक साथ ज्यादा बर्तन रखते हैं तो इससे प्लेट्स और क्रॉकरीज को नुकसान हो सकता है।

पेपर का करें प्रयोग

जब भी क्रॉकरीज को रखें तो इस बात का ध्यान रखें कि ये गीली नही हों। इन्हें पोछने के बाद दो बर्तनों के बीच में पेपर या टीशू पेपर जरूर रखें। ऐसा करने से ये एक-दूसरे में चिपकते नहीं हैं और रगड़ते नहीं हैं।

सफाई में टेंप्रेचर का रखें ख्याल

जब भी क्रॉकरी के बर्तनों को धोएं तो इस बात का ध्यान जरूर रखें कि वे अधिक गर्म या अधिक ठंडा ना हों। ऐसा होने पर ये चटक कर टूट सकते हैं। हमेशा नॉर्मल या गुनगुने पानी में ही इन्हें साफ करें।

सफेद पेपर का करें प्रयोग

अगर आप अखबार से क्रॉकरीज को लपेट कर रखेंगे तो इन पर अखबार का इंक लग सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप बिना प्रिंट वाले पेपर का प्रयोग करें।

टॉवल का करें प्रयोग

जब भी क्रॉकरी को वॉश करना हो तो आप इन्हें साफ कर टॉवल पर उल्टा रखते जाएं। ऐसा करने से ये टूटेंगे नहीं और इनका पानी भी आसानी से साफ हो जाएगा।

बिगड़ा मूड बनाती है खुशबू

जिस तरह अच्छे भोजन से शरीर पुष्ट होता है उसी तरह अच्छी खुशबू मनमस्तिष्क को सेहतमंद बनाती है। अच्छी खुशबू से सोच बदलती है और सोच से जीवन बदल जाता है। यहां तक कि सुगंध हमारे विचारों और भावनाओं को बदलने की भी क्षमता रखती है। यह मनमस्तिष्क में शांति, उत्साह बढ़ा कर जीने का नजरिया बदलती है। यही वजह है कि हम सभी अच्छी खुशबू से महकना चाहते हैं। मगर यह खुशबू सिर्फ हमें ही नहीं हमारे घर को भी महकाए तभी फैस्टिवल्स का असली आनंद है। रिसर्च के मुताबिक फैस्टिवल की तैयारी में व्यस्तता से उपजा तनाव भी भीनीभीनी खुशबू से कम होने लगता है। आइए, जानते हैं कि अलगअलग फ्रैगरैंस हमारे मूड को किस तरह प्रभावित करती हैं:

लैवेंडर: इस की खुशबू हमारे दिमाग को शांत रखने में मदद करती है। भावनात्मक तनाव और अवसाद दूर कर राहत देती है। माइग्रेन और सिरदर्द के असर को कम करती है।

जैस्मिन: इस की खुशबू थकान दूर करने में मददगार है। यह न सिर्फ उत्साह बल्कि शरीर की ऊर्जा भी बढ़ाती है।

रोजमेरी: इस की खुशबू याद्दाश्त बढ़ाने, शारीरिक ऊर्जा वापस लाने, सिरदर्द और मानसिक थकान दूर करने में मददगार होती है।

पिपरमिंट: इस की खुशबू ऐनर्जी बूस्टर है। यह एकाग्रता बढ़ाती है और स्पष्ट सोचने की शक्ति देती है। यह मूड भी अपलिफ्ट करती है।

लैमन: लैमन की खुशबू एकाग्रता बढ़ाती है और मन को शांत करती है। यह सांसों में समा कर तरोताजा

ताजी कटी घास की खुशबू: आस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं के मुताबिक ताजा कटी घास से ऐसे कैमिकल रिलीज होते हैं जो व्यक्ति को रिलैक्स करते हैं। इस की खुशबू उम्र के साथ होने वाले मानसिक क्षय और बुढ़ापे की निशानियों को बढ़ने से रोकती है। तभी तो ऐसे ऐअर फ्रैशनर भी आने लगे हैं जो इस खुशबू का एहसास आप को कहीं भी करा सकें।

वनीला: एक अध्ययन के मुताबिक वनीला की खुशबू आप के मन को खुशी देती है। आप का मूड अच्छा हो जाता है और चिड़चिड़ापन गायब हो जाता है।

यों महकाएं आशियाना

★ घर के परदों, कालीनों व चादरों को धो कर धूप में सुखा लें।

★ डस्टबिन डिटर्जेंट से रगड़ कर साफ कर दें, क्योंकि डस्टबिन से आने वाली दुर्गंध मेहमानों का मिजाज खराब कर सकती है। मैटल के कूड़ेदान की दुर्गंध हटाने के लिए उस में

★ पुराने अखबार डाल कर आग लगा दें। दुर्गंध दूर हो जाएगी।

★ फ्रिज में बेकार पड़े सड़ रहे ऐक्सपायर सामान हटा दें।

★ बाथरूम और टौयलेट अच्छी तरफ साफ कर ऐअर फ्रैशनर से महकाएं।

★ नए पेंट से घर को नया लुक दें। नया पेंट घर में महकता एहसास पैदा करता है।

★ घर के कोनों और छोटी जगहों पर फ्रैगरैंट औइल स्प्रे करें। घर को महकाने के साथसाथ ये मच्छरों को भी भगाते हैं।

★ स्ट्राबैरी, लैवेंडर, लैमन, औरेंज जैसी तरहतरह की खुशबू और डिजाइन वाली मोमबत्तियां बाजार में उपलब्ध हैं। इन का प्रयोग रोशनी के साथ दिलअजीज खुशबू के लिए भी किया जाता है।

★ घर में चमेली, मोगरा, रात की रानी, लिली

जैसे सुगंधित फूलों के पौधों को डिजाइनर गमलों में लगा कर घर में रौनक और महक दोनों ला सकते हैं। इन्हें आप बरामदे में डाइनिंग टेबल के पास या ड्राइंगरूम में भी रख सकते हैं।

★ दालचीनी को संतरे के छिलके के साथ धीमी आंच में हलका सा भून कर छोड़ दें। घर खुशबू से महक उठेगा।

★ रूम फ्रैशनर, कारपेट पाउडर से आप घर में बिछे कारपेट के जरीए पूरे कमरे को महका सकते हैं। आप लैवेंडर और रोजमैरी पाउडर का प्रयोग भी कर सकते हैं। इस के लिए बेकिंग सोडा, ड्राई रोजमैरी और लैवेंडर औयल की जरूरत पड़ेगी।

ब्रा से जुड़ी कॉमन गलतियां आपको दे सकतीं है ब्रेस्ट कॅन्सर

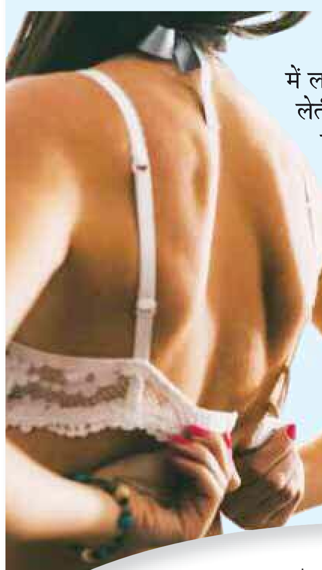

10 में 7 महिलाएं जब बात ब्रा की आती है तो लापरवाही बरत देती हैं। कपड़ों के मामले में लड़कियां चूजी मानी जाती हैं हर चीज देख परख कर लेती हैं। जबकि बाकी कपड़ों का चुनाव जितना जरूरी है उतना ही सही ब्रा का चुनाव भी जरूरी है। तो चलिए आपको बताते हैं उन कॉमन गलतियों के बारे में जो महिलाएं जाने-अनजाने में करती ही करती हैं।

जब भी ब्रा खरीदने जाएं, उसकी फिटिंग चेक करके ही लें। गलत साइज़ और खराब ब्रा टाइप खरीदने से सिर्फ आपकी ब्रेस्ट शेप तो खराब होगी साथ ही हैल्थ प्रॉब्लम्स भी होगी। वजन बढ़ने, प्रेग्नेंसी के दौरान उम्र के हिसाब से अक्सर ब्रेस्ट साइज चेंज होता है इसलिए साल में 2 बार अपना ब्रा साइज चेक करें।

बहुत सी महिला ब्रा को दो से तीन दिन लगातार पहनती हैं ये सोच कर की इसकी फिटिंग बेहतर हो जाती हैं जबकि ऐसा तो कुछ नहीं हैं बल्कि हाइजीन के लिहाज से भी रोज बदलना जरूरी है।

अब आप सोच रही होगी कि ब्रा की भी क्या एक्सपायरी डेट होती है? तो बता दें कि हां, विशेषज्ञों के अनुसार 6 से 9 महीने रेगुलर इस्तेमाल के बाद ब्रा खराब होने लगती है। हुक में क्रैक, इलास्टिक में ढीलापन और वायर का हिल जाना, आदि संकेत दिखने लगें तो ब्रा बदल डालें। साल में दो बार बदलें।

अभी तक आप भी अगर वॉशिंग मशीन में ब्रा धो रही हैं तो इसे अब से हाथ से धोएं। ब्रा का कपड़ा अन्य कपड़ों की तुलना में अधिक नाजुक होता है इसलिए इसे हाथ से ही साफ करें।

रात को ब्रा पहनकर नहीं सोना चाहिए। खासतौर से teenagers को इस rule को follow करना ही चाहिए। टाइट ब्रा ब्लड सर्कुलैशन में बाधा डालती है।

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए जरूर पिएं लेमन टी

नींबू की चाय बनाना बहुत आसान है। यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो नींबू की चाय एक बेहतर विकल्प हो सकता है। इसमें नींबू होने के कारण शरीर को विटामिन सी मिलता है और विटामिन सी सेहत के लिए बेहद जरूरी है। नींबू की चाय पीने से शरीर के विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। शरीर को एनर्जी मिलती है। रिफ्रेश होने के लिए नींबू की चाय पीनी चाहिए। नींबू की चाय पीने के फायदों के बारे में।

सर्दी-जुकाम से बचाता है

नींबू की चाय सर्दी-जुकाम में राहत देती है। यह चाय ठंड और फ्लू के लक्षणों को कम करती है। बेहतर परिणाम के लिए, आप चाय में अदरक डाल सकते हैं। इसके अलावा, यह गले में दर्द व गले में खराश में आराम देती है। नींबू की चाय रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत करती है।

वजन घटाती है

ग्रीन टी की तरह ही नींबू की चाय या लेमन टी पीने से वजन कम होता है। अगर आप अपना वजन कम करने के लिए रोज सुबह नींबू पानी पीते हैं, तो अब नींबू वाली चाय भी पीना शुरू कर दें। लेमन टी भी वजन को नियंत्रित करता है। नींबू में कैलोरी न के बराबर होती है, इसलिए आप नींबू की चाय पीकर अपना वजन घटा सकते हैं।

नैचुरल एंटीसेप्टिक

नींबू एक नैचुरल एंटीसेप्टिक होता है। नींबू की चाय में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। चाय को नियमित रूप से पीने से संक्रमण और बीमारियों के उपचार में मदद मिलती है।

डिटॉक्सीफायर करती है

नींबू की चाय प्रभावी रूप से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल देती है। शरीर से विषाक्त पदार्थों को हटाना जरूरी होता है क्योंकि वह इंफेक्शन और बीमारियों को बढ़ाते हैं। नींबू की चाय पीने से रोग और इंफेक्शन कम होते हैं।

स्किन पर लाए निखार

लेमन टी विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है। विटामिन सी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती है। इसके अलावा, इसमें एस्ट्रिंजेंट भी होते हैं जो पिंपल्स और त्वचा की अन्य समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं।

वेट लॉस में हेल्प करेंगी ये पांच तरह की रोटियां

चोकर की रोटी

आप अगर रोटी का पूरा पोषण पाना चाहते हैं, तो आप आटे से चोकर को पूरी तरह अलग न करें। आपकी रोटी में आटे की जगह अगर चोकर की मात्रा ज्यादा होगी, तो आपको ज्यादा पोषण मिल पाएगा।गेहूं की रोटी में कार्ब्स, आयरन, नियासिन, विटामिन बी 6, थायमिन और कैल्शियम होता है जबकि चोकर फाइबर से भरपूर होता है।

मल्टीग्रेन रोटी

आप अगर अपनी रोटी का टेस्ट बढ़ाकर उसे हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो आटे में एक मुट्ठी बेसन मिला दें।चने में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो शरीर में कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया को तेज करता है। अपने गेहूं के आटे में थोड़ा-सा बेसन मिला कर उसे मल्टीग्रेन आटा बनाया जा सकता है।

सत्तू की रोटी

आपने गर्मियों के मौसम में सत्तू घोलकर कई लोगों को पीते हुए देखा होगा, इसके साथ ही सत्तू की रोटी भी सेहत के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। वजन कंट्रोल रखने के साथ यह आपके शरीर को एक्टिव भी बनाए रखती है।

सोया रोटी

शरीर पर जमा फैट कम करने के लिए आपको सोया रोटी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होने के अलावा सोया रोटी में विटामिन और खनिज की काफी मात्रा होती है।सोया रोटी बुर्जुगों के लिए बेहद सेहतमंद मानी जाती है।

जौ की रोटी

आपको अगर बार-बार भूख लगती है, तो आप जौ की रोटी खाना शुरू कर दें क्योंकि इसे खाने के बाद लम्बे समय तक आपका पेट भरा रहता है। जौ की रोटी में प्रोटीन और फाइबर की काफी मात्रा पाई जाती है।

इन होममेड टिप्स से दाग छुड़ाना हो जाएगा आसान

क्लब सोडा : जी हां, वही सोडा, जो हम पीते हैं। यह हर प्रकार के दाग हटाने में कारगर है, खासकर तब जब आप किसी रेस्टोरेंट में खाना खा रहे हों। आप की पार्टी ड्रैस पर किसी भी तरह का दाग लग जाए, उसे फौरन सोडा वाटर से धो लीजिए, कुछ देर बाद उस का नामोनिशान नहीं रहेगा। बरतन साफ करने वाला लिक्विड सोप : चौंकिए मत, बल्कि यकीन कीजिए। यह कपड़ों के लिए बेहतरीन स्टेन रिमूवर साबित हो सकता है, खासकर तेल, घी, मक्खन आदि के दागों के लिए।

अल्कोहल : चाहे मिथाइलेटिड स्प्रिट हो, या नेलपौलिश रिमूवर या हेयर स्प्रे इन के द्वारा आप घास या अन्य कई प्रकार के जिद्दी दाग हटा सकती हैं।

शैंपू : धूलमिट्टी, मेकअप, कालर रिंग्स आदि दाग हटाने में शैंपू बड़ा काम आ सकता है। जरूरी नहीं कि आप कोई महंगा शैंपू ही इस्तेमाल करें, कोई भी शैंपू आप की मदद करेगा।

शेविंग क्रीम : शेविंग क्रीम भी हर तरह के दाग हटाने में मददगार है। यह उस समय बड़ी मददगार साबित होती है, जब आप कहीं बाहर घूमने गए हैं। आखिर गौर से देखें तो आप को मालूम पड़ेगा कि शेविंग क्रीम सिर्फ एक प्रकार का फेंटा हुआ साबुन ही है।

नौलखा साबुन : नौलखा साबुन, टुकड़ा साबुन, देसी साबुन, घोड़े वाला साबुन जैसे नामों से मिलने वाला साबुन हम बेशक आउटडेटेड मान कर छोड़ चुके हैं, पर यह है बड़े काम की चीज। इस से आप के सफेद कपड़े तो चमकते ही हैं, ग्रीस, मैल, चिकनाई आदि दागों पर भी बड़ा कारगर साबित होता है।

नौन जैल टूथपेस्ट: आप के दांतों को चमकाने के साथसाथ आप का नौन जैल टूथपेस्ट कपड़ों पर से इंक के दाग बड़ी सफाई से हटा कर उन्हें भी चमकदार बनाता है।

नीबू का रस व नमक : कपड़ों पर से फफूंदी आदि के दाग हटाने में नीबू का रस बड़ी सहायता करेगा। इंक, हलदी, तेल आदि के दागों पर भी आप नीबू का रस मल सकती हैं। फफूंदी पर नीबू लगा कर उस पर नमक बुरक दें और फिर धूप में रख दें। इसी प्रकार कपड़ों पर से खून के धब्बे साफ करने के लिए उन्हें नमक मिले पानी में भिगो दें।

सिरका : सफेद सिरका भी कपड़े धोते समय आप का मददगार साथी साबित होगा। जिन कपड़ों से रंग निकलता हो, उन्हें सिरके में डुबो कर आप उन के रंग पक्के कर सकती हैं।

चेहरे पर जमी चर्बी को दूर करने के लिए फेस योग

योग एक ऐसी क्रिया है जिससे आप तन और मन दोनों को स्वस्थ रख सकते हैं। खासतौर पर वर्तमान समय में ज्यादतर लोग तनाव का सामना करने के साथ शारीरिक रूप से भी स्वस्थ महसूस नहीं कर रहे हैं। ऐसे में आपको योग को अपने जीवन का खास हिस्सा बनाना चाहिए। वहीं, बात करें आपके चेहरे की तो आपको अगर फेस डबल चिन की समस्या है, तो हम आपको ऐसे फेशियल योगा बताने जा रहे हैं, जिससे आप अपने चेहरे की चर्बी को कम कर सकते हैं।

- सेल्फी क्लिक करते समय जैसे आप पाउट बनाते हैं, यह योगा कुछ वैसा ही है। इसके लिए आपको बस अपने गालों को अंदर की ओर करना है और 30 सेकंड के लिए स्थिति में रहना है। अब अपने चेहरे को आराम दें और इसे 4-5 बार दोहराएं।
- आपको अगर तेजी से फेस पर जमा चर्बी हटानी है, तो इस तकनीक के लिए, बस अपनी ठोड़ी को ऊपर उठाएं और छत को देखें। अब अपने मुंह को 10-15 सेकंड के लिए लगातार खोलें और बंद करें। आराम करें और अपने चेहरे को नीचे लाएं। अपने चेहरे के फैट को जल्दी से बर्न करने के लिए इस प्रक्रिया को 3-4 बार दोहराएं।
- सबसे आसान योग आसन में आपको केवल पानी से नहीं बल्कि हवा से अपने मुंह को कुल्ला करना होगा। बस अपना मुंह हवा से भरें और कुल्ला करें। हवा को बाईं ओर, फिर दाईं और फिर मध्य की ओर ले जाएं। इसे कम से कम 20-30 सेकंड तक जारी रखें और फिर साँस छोड़ें। इसे 3-4 दोहराव करें।

इस तरीके से न सिर्फ आपके चेहरे की चर्बी कम होती है बल्कि इससे आपकी थकान भी दूर होती है। इस मुद्रा के लिए, पैरों को पीछे की ओर मोड़ें और अपनी हथेलियों को अपनी जांघों पर रखें। अपनी पीठ को सीधा रखें और अपनी जीभ बाहर निकालें। अपनी जीभ को जितना हो सके उतना फैलाएं। याद रखें कि आप मांसपेशियों पर दबाव नहीं डालें। अब एक गहरी सांस लें और जब आप साँस छोड़ते हैं, तो एक ध्वनि होती है। इस क्रिया को 6-7 बार दोहराएं।

बरसात में देखें बुंदेलखंड का सौंदर्य

अगर आप उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर को करीब से देखना चाहती हैं तो बुंदेलखंड में पर्यटन का आनंद मॉनसून में लें। बरसात में बुंदेलखंड का सौंदर्य और भी निखर उठता है। बरसात में यहां की नदियां पानी से भर जाती हैं और नदीयों में उठती लहरें बहुत खूबसूरत लगती हैं। बरसात के दिनों में झांसी का किला, महोबा की वीर भूमि, चित्रकूट, कालिंजर किला, देवगढ़ और बरुवासागर घूमने के लिए अच्छी जगहें हैं।

झांसी का किला

मौनसून पर्यटन की शुरुआत झांसी से ही करें। रानी लक्ष्मीबाई का किला इस शहर की सब से खास घूमने वाली जगह है। 1857 में आजादी की लड़ाई में अंगरेजों ने जिस किले पर गोले बरसाए थे वह आज भी वैसा का वैसा खड़ा है। बंगरा कीपहाड़ियों पर बना यह किला 1610 में राजा वीर सिंह जूदेव द्वारा बनवाया गया था। 18वीं शताब्दी में झांसी और उस के किले पर मराठों का अधिकार हो गया था। मराठों के अंतिम शासक गंगाधर राव थे, जिनकी 1853 में मृत्यु हो गई थी। इस के बाद रानी लक्ष्मीबाई ने शासन की बागडोर संभाली। झांसी का किला अपनी अद्भुत कला के लिए जाना जाता है। इस किले में 'कड़क बिजली' और 'भवानी शंकर' नामक 2 तोपें आज भी रानी लक्ष्मीबाई की वीरता का बखान करती नजर आती हैं।

कालिंजर का किला

झांसी के बाद कालिंजर का किला इतिहास की झलक दिखाता है। यह उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में बना है। चंदेल शासकों के द्वारा बनवाया गए इस किले मुगलों को हमेशा चुनौती दी। बड़ी मुश्किल से अकबर ने इसे जीतने में कामयाबी पाई थी। जीत के बाद अकबर ने इसे बीरबल को दे दिया था। उन के बाद यह किला राजा छत्रसाल के अधीन हो गया। यह किला चारों ओर से ऊंची दीवारों से घिरा था। आज भी 3 द्वार कामता द्वार, पन्ना द्वार और रीवां द्वार यहां जस के तस खड़े हैं। विंध्य की पहाड़ियों पर 700 फुट की ऊंचाई पर बने इस किले के अंदर शानदार राजा महल और रानी महल बने हैं। किले में ही नीलकंठ मंदिर बना है। इस के अलावा यहां वनखंडेश्वर महादेव मंदिर भी बना है।

महोबा

महोबा की वीर भूमि आपको रोमांच से भर देगी। महोबा का नाम यहां के रहने वाले आल्हा उदल की वीरतापूर्ण कहानियों के लिए मशहूर है। यहां चंदेल राजाओं का शासन था। चंदेल राजाओं के बाद परिहार राजाओं ने यहां शासन किया। आल्हा उदल यहां के प्रमुख लड़ाके थे। बरसात के दिनों में आज भी गांव-गांव में आल्हा उदल की लड़ाइयों के प्रसंग सुने और गाए जाते हैं। आल्हा गाने वाले लोकगायकों को सरकार की तरफ से प्रोत्साहन मिलता है।

गोरखगिरी पर्वत

गोरखगिरी पर्वत एक खूबसूरत पिकनिक स्पौट है। यहां का सूर्य मंदिर भी आपको बहुत अच्छे एक्सपीरियंस देगा। यह राहिला सागर के पश्चिम दिशा में स्थित है।

आज की रेसिपी

ढोकला सैंडविच

सामग्री :

- 1 कप सूजी, 1 कप दही, 1 हरी मिर्च, 1 नींबू का रस, 5-6 कढी पत्ता, 1/2 टी स्पून सरसों के बीज, एक चुटकी हींग, 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर स्वादानुसार नमक, 1/2 टमाटर, 1/2 कप पनीर, 1/2 शिमला मिर्च और प्याज

विधि :

- एक बाउल लें और उसमें सूजी, दही, हरी मिर्च, नमक, हल्दी पाउडर और नींबू का रस मिलाएं. इसे अच्छी तरह मिला लें और एक बैटर बना लें.
- फिर एक पैन को ग्रीस करके उसमें घोल डालें. ढोकला बनने तक भाप में पकाएं.
- एक बार जब यह हो जाए, तो इसके ऊपर करी पत्ते, राई और हींग का तड़का डालें.
- सैंडविच भरने के लिए टमाटर का एक टुकड़ा, कटा हुआ पनीर, शिमला मिर्च और प्याज लें.
- इसे अपनी पसंद के मसालों में टॉस करें.
- फिर ढोकला के 2 टुकड़े लें, एक तरफ हरी चटनी की एक परत डालें और दूसरी तरफ चटनी की चटनी डालें.
- बीच में फिलिंग डालें और भुजिया से सजाएं और मजा लें!

टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं रविंद्र जडेजा

एजेंसी, नई दिल्ली। मौजूदा समय में दुनिया के बेस्ट ऑलराउंडर्स में शुमार टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर रविंद्र जडेजा टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं। जडेजा पिछले कुछ समय से टीम इंडिया के लिए क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में सबसे अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और उनके रिकॉर्ड्स भी शानदार हैं। बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग तीनों डिपार्टमेंट में उन्होंने अपने प्रदर्शन से टीम इंडिया को कई बार मुश्किलों से उबारा है। पिछले कुछ समय से हालांकि वह चोटों से परेशान रहे हैं और इस वहज से एक-दो बार उन्हें टीम इंडिया से अंदर-बाहर होना पड़ा है। जडेजा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बारे में सोच रहे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ होम टेस्ट सीरीज के दौरान भी जडेजा चोटिल हुए और टीम से बाहर हो गए। इस चोट के चलते वह दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट टीम का भी हिस्सा नहीं हैं। जडेजा वाइट बॉल क्रिकेट में ज्यादा समय तक खेलने के लिए टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं। इसका मतलब वह वनडे और टी20 फॉर्मेट में खेलेंगे, लेकिन वाइट जर्सी में शायद ही मैदान पर खेलते नजर आएं। रविंद्र जडेजा के इंटरनैशनल करियर की बात करें, तो उन्होंने भारत के लिए 57 टेस्ट, 168 वनडे और 55 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान उनके खाते में क्रम से 2195, 2411, 256 रन दर्ज हैं, जबकि 232, 188 और 46 विकेट उन्होंने तीनों फॉर्मेट में चटकाए हैं। जडेजा एक टेस्ट सेंचुरी लगा चुके हैं, जबकि 17 बार उन्होंने टेस्ट में पचासा ठोका है। वहीं वनडे क्रिकेट में उनके बल्ले से 13 हाफ सेंचुरी निकली हैं।

विराट कोहली के ओडीआई से और रोहित शर्मा के टेस्ट सीरीज से आउट होने पर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को कुछ दिनों में ही दक्षिण अफ्रीकी दौरे के लिए रवाना होना है और इससे पहले टेस्ट और वनडे की कप्तानी को लेकर काफी विवाद सा छिड़ गया है। इस दौरे से पहले टेस्ट टीम के ऐलान के साथ ही भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऐलान कर दिया कि रोहित शर्मा टी20 टीम कप्तान होने के साथ-साथ वनडे टीम की कमान भी संभालेंगे। इसके अलावा अजिंक्य रहाणे की जगह रोहित को टेस्ट टीम का उप-कप्तान बना दिया गया। इसके बाद खबर आई कि रोहित चोट के चलते टेस्ट सीरीज से बाहर हैं, जबकि विराट निजी कारणों से वनडे सीरीज में नहीं खेलेंगे। इसको लेकर टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने सवाल खड़े किए हैं। अजहर का मानना है कि इन दोनों के टेस्ट और वनडे सीरीज से आउट होने की टाइमिंग बेहतर हो सकती थी। अजहर ने ट्विटर पर लिखा, श्विराट कोहली ने जानकारी दी कि वह वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, जबकि रोहित शर्मा चोट के चलते टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। ब्रेक लेने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन टाइमिंग बेहतर होनी चाहिए। इससे दोनों के बीच टकरार की खबरों को और हवा मिलेगी।श् भारतीय क्रिकेट टीम में एक बार फिर विराट और रोहित के बीच टकरार की खबरें आने लगी हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2021 से पहले विराट ने खुद ऐलान किया था कि वह टी20 टीम की कप्तानी इस आईसीसी इवेंट के बाद छोड़ देंगे, लेकिन उन्होंने कहा था कि वह वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे। दक्षिण अफ्रीकी दौरे के लिए टेस्ट टीम के ऐलान के साथ बीसीसीआई ने कहा कि रोहित वनडे और टी20 टीम के कप्तान बने रहेंगे, जबकि विराट टेस्ट टीम की कमान संभालेंगे। जब इसको लेकर बीसीसीआई की खूब किरकिरी हुई, तब अध्यक्ष सौरव गांगुली की तरफ से बयान आया कि यह फैसला लेने से पहले सिलेक्टर्स और उन्होंने खुद विराट से इसको लेकर बात की थी। गांगुली ने साथ ही कहा कि वाइट बॉल क्रिकेट में दो अलग कप्तान नहीं हो सकते और इस वजह से ही रोहित को वनडे टीम की कमान सौंपी गई। उन्होंने यह भी कहा कि विराट से गुजारिश की गई थी कि वह टी20 टीम की कप्तानी ना छोड़ें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

बेन मैकडरमॉट का ऐसा छक्का

फैन का फूट गया सिर, निकला

एजेंसी, नई दिल्ली। बिग बैश लीग 2021-22 में जमकर चौके-छक्कों की बारिश हो रही है। होबार्ट हरिकेन्स और पर्थ स्कॉचर्स के बीच मैच के दौरान बेन मैकडरमॉट के बल्ले से ऐसा छक्का निकला कि स्टेडियम में मैच देखने पहुंचा फैन चोटिल हो गया।

होबार्ट हरिकेन्स के मैकडरमॉट ने एंड्रयू टाइ की गेंद पर ऐसा छक्का लगाया, कि गेंद डीप मिडविकेट के ऊपर से सीधा बाउंड्री पार बैठे फैन के सिर पर तेजी से जा लगी। गेंद लगते ही वह फैन जमीन पर लेट गया। जब वह फैन उठा, तो देखा गया उसके सिर से खून निकल रहा है।

बीबीएल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इसका वीडियो शेयर किया गया है। पर्थ स्कॉचर्स की ओर से सातवां ओवर फेंकने टाइ आए। उनके इस ओवर की आखिरी गेंद पर मैकडरमॉट ने यह छक्का लगाया।

मैच की बात करें तो पर्थ स्कॉचर्स की ओर से मिचेल मार्श ने शानदार सेंचुरी लगाकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। पर्थ स्कॉचर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 182 रन बनाए। मार्श 60 गेंद पर 100 रन बनाकर नॉटआउट लौटे और इस दौरान छह चौके और पांच छक्के लगाए।

डार्सी शॉर्ट और मैकडरमॉट ने मिलकर होबार्ट हरिकेन्स को मैच में बनाए रखा, लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद बाकी कोई बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। डार्सी शॉर्ट ने 29 गेंद पर 31 रन जबकि मैकडरमॉट ने 29 गेंद पर 41 रनों की पारी खेली।

दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले भारत को बड़ा झटका

रोहित शर्मा हुए चोटिल, टेस्ट सीरीज से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे की शुरुआत होने वाली है। इन सब के बीच भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टेस्ट में भारतीय टीम के उप कप्तान और वनडे तथा टी 20 टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा चोटिल हो गए हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बताया कि रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से चोट के कारण बाहर हो गए हैं। प्रियांक पांचाल भारत की टेस्ट टीम में चोटिल रोहित शर्मा की जगह लेंगे। रोहित को कल मुंबई में अपने प्रशिक्षण सत्र के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। आपको बता दें कि भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका में पहले तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया जा चुका है। रोहित शर्मा को इसके लिए उपकप्तान बनाया गया था। इसके साथ ही रोहित शर्मा टीम में नियमित ओपनर के तौर पर शामिल थे। ऐसे में कहीं ना कहीं भारत के लिए यह बड़ा झटका है। रोहित शर्मा केएल राहुल के साथ टेस्ट में टीम इंडिया के लिए ओपनिंग करते है। रोहित की अनुपस्थित रहने पर केएल राहुल के साथ मयंक अग्रवाल ओपनिंग करते दिखाई दे सकते हैं। इससे पहले क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने भारतीय टीम के दौरे का नया शेड्यूल जारी किया था। जिसके मुताबिक पहला टेस्ट 26 दिसंबर से सेंचुरियन में होगा। ओमीक्रोन के बढ़ते खतरे को देखते हुए सीएसए और बीसीसीआई के अधिकारियों के बीच सीरीज को लेकर लगातार बातचीत हो रही थी और दक्षिण अफ्रीका की मौजूदा परिस्थिति का भी आकलन किया जा रहा था। अब इस दौरे पर टेस्ट और वनडे सीरीज ही खेली जाएगी। दौरा 26 दिसंबर से 23 जनवरी तक चार स्थानों पर होगा। चार मैचों की टी20 सीरीज अगले साल सही समय पर खेली जाएगी। दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी के बीच वांडरर्स पर और तीसरा 11 से 15 फरवरी के बीच केपटाउन में खेला जाएगा। तीन वनडे मैच होंगे। जिनमे से 19 और 21 जनवरी को बोलैंड पार्क में और 23 जनवरी को केपटाउन में खेला जाएगा।

जानिए धोनी के बाद कौन हो सकता है सीएसके का कप्तान

तीन नाम जो कप्तानी की रेस मे हैं सबसे आगें

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत ही नहीं दुनिया में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली और देखे जाने वाली कोई लीग है,तो वो है इंडियन प्रीमियर लीग। अब तक इंडियन प्रीमियर लीग में आठ टीमों का संग्राम होता था आपस में आईपीएल खिताब जीतने के लिए। लेकिन अब आईपीएल में दो और नई टीमों की एंट्री के बाद कुल 10 टीमें आईपीएल में खेलेंगी। लेकिन आज हम बात करने जा रहे हैं आईपीएल की सफलतम टीमों में से एक चेन्नई सुपर किंग्स की। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल में सफलता की कई कहानियां लिखी है। फैंस का भी चेन्नई सुपर किंग्स को बहुत प्यार मिलता है। लेकिन अब चेन्नई सुपर किंग्स के फैंस को झटका लग सकता है। सुपर किंग्स के फैंस के लिए, सीएसके की टीम को धोनी की कप्तानी के बिना मैदान पर उतरते देखना बहुत मुश्किल होगा। दरअसल महेंद्र सिंह धोनी के रिटायरमेंट की अटकलें बहुत समय से लगाई जा रही हैं। कहा जा रहा है कि धोनी जल्द ही आईपीएल से भी रिटायरमेंट ले सकते हैं। एक रिपोर्ट की माने तो चेन्नई का पहला मैच 2022 में चेन्नई के होम ग्राउंड पर ही खेला जाएगा, कहा जा रहा है कि इस मैच के बाद धोनी आगें का सीजन नहीं खेलेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि किसे दी जाएगी सीएसके की कप्तानी चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी के 3 बड़े भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर और चेन्नई सुपर किंग्स के बेहतरीन खिलाड़ी जडेजा को चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी ने सीएसके में रीटेन किया है। रविंद्र जडेजा को 16 करोड़ में सुपर किंग्स ने रीटेन किया है। जडेजा ने पिछले आईपीएल सीजन में भी शानदार प्रदर्शन किया था। कौन भूल सकता है कि, जडेजा ने पिछले सीजन के पर्पल कैप होल्डर रहे हर्षल पटेल को एक ओवर में 37 रन मारे थे। आईपीएल में जडेजा के रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने 200 मैचों में 2386 रन बनाए हैं। इसी के साथ जडेजा ने अपने नाम 127 विकेट भी हासिल किए हैं। रविंद्र जडेजा भी कप्तानी के दावेदारों में शामिल हैं। महज 24 साल का एक लड़का बतौर सलामी बल्लेबाज कप्तान धोनी की पहली पसंद बन गया है। ऋतुराज गायकवाड का पिछले सीजन में भी बहुत ही शानदार प्रदर्शन रहा था। विजय हजारे ट्रॉफी में भी इस वक्त ऋतुराज गायकवाड का नाम छाया हुआ है। ऋतुराज गायकवाड को चेन्नई सुपर किंग्स ने 6 करोड़ की रकम के साथ टीम में रक्खा है। ऋतुराज की उम्र टीम में रीटेन किए गए सभी खिलाड़ियों में सबसे कम है। इसलिए भी ऋतुराज गायकवाड कप्तानी के दावेदार हैं क्योंकि वह लंबे वक्त टीम की कमान संभाल सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज सलामी बल्लेबाज और कप्तान ऑरोन फिंच को चेन्नई सुपर किंग्स की टीम ने 8 करोड़ में रीटेन किया है। आपको बता दें किऑरोन फिंच की कप्तानी में ही इस साल ऑस्ट्रेलिया ने ज20 विश्व कप का किताब अपने नाम किया है। जिसके बाद से ही ऑस्ट्रेलिया के कप्तान का नाम सीएसके के कप्तानी दावेदारों में आ गया है। ऑरोन फिंच सीएसके के सलामी बल्लेबाज के साथ ही कप्तानी के रोल में भी एकदम फिट हो सकते हैं।

पाकिस्तान ने टी-20 इंटरनेशनल में बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

अपने ही कारनामे को किया ध्वस्त

एजेंसी, नई दिल्ली। पाकिस्तान ने लंबे समय बाद अपने घर में कोई इंटरनेशनल मैच खेलते हुए एक बड़ा कारनामा कर दिया है। टीम ने सोमवार को तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में वेस्टइंडीज को 63 रनों से हराते हुए एक साल में सबसे ज्यादा 18 टी-20 इंटरनेशनल मैच जीतने का रिकॉर्ड बना दिया।

इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम ही था, जब उसने साल 2018 में 17 टी-20 इंटरनेशनल मैच जीते थे। पाकिस्तान की वेस्टइंडीज पर इस बड़ी जीत में सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान, हैदर अली, तेज गेंदबाज मोहम्मद वसीम जूनियर और शादाब खान का शानदार प्रदर्शन रहा। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 200 रन का विशाल स्कोर बनाया और फिर वेस्टइंडीज की टीम को 19 ओवर में 137 रनों पर ही ढेर कर दिया। टीम ने इस मैच में जीत दर्ज करते ही तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद रिजवान ने 52 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 78 और हैदर अली ने 39 गेंदों पर छह चौके और चार छक्के की मदद से 68 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। आखिर में मोहम्मद नवाज ने 10 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्के की मदद से नाबाद 30 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से रोमियो शेफर्ड को दो सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम शुरुआत खराब रही और टीम ने 60 रन तक अपने 5 विकेट गंवा दिए। इसके बाद पूरी टीम 137 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम की ओर से शाई होप ने सबसे अधिक 31 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से शादाब खान ने तीन और तेज गेंदबाज मोहम्मद वसीम ने 4 विकेट चटकाए।